साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 148 | जौनपुर, शुक्रवार, 23 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

भारत का एक अपना मोबाइल ब्रांड विकसित करने की तैयारी में सरकार – अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि सरकार देश में मोबाइल विनिर्माण की व्यापक सफलता से सीख लेकर एक भारतीय मोबाइल फोन ब्रांड विकसित करने पर काम कर रही है। वैष्णव ने भुगतान सेवा प्रदाता फोनपे की तरफ से इंडस ऐप स्टोर को पेश करते हुए कहा कि सरकार बहुत जल्द दो–तीन सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्रों को मंजूरी दे सकती है। इस मौके पर वैष्णव ने कहा, ''हम अपना खुद का भारतीय मोबाइल फोन ब्रांड विकसित करने की दिशा में काम करेंगे। हम देश में संपूर्ण हैंडसेट पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर काम करेंगे।

वैष्णव ने कहा, ''बड़े पैमाने पर मोबाइल विनिर्माण की हमारी शुरुआती सफलता ने हमें बहुत अच्छी सीख दी है। इसने उद्योग को बहुत आत्मविश्वास दिया है। इसने पारिस्थितिकी तंत्र भागीदारों को भारत आने के लिए प्रोत्साहन दिया है। अगले पांच वर्षों में यह सफर तय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए एक बहुत स्पष्ट खाका दिया है। उन्होंने कहा, ''हमने अपना भारत सेमीकंडक्टर मिशन शुरू किया और हमें पहले ही बहुत अच्छी सफलता मिल चुकी है।

भाजपा में वापसी कर सकते हैं नवजोत सिंह सिद्धू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में नवजोत सिंह सिद्धू के लौटने और पार्टी द्वारा एक अन्य पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह को गुरदासपुर संसदीय क्षेत्र से मैदान में उतारने को लेकर चर्चा है। अफवाहें तब भी गर्म हैं जब सिद्धू किसान मुद्दों से निपटने के केंद्र के तरीके की आलोचना करते रहे हैं। सिद्धू अपने वक्तृत्व कौशल के लिए जाने जाते हैं, लेकिन कांग्रेस के पंजाब नेतृत्व के साथ उनकी तनातनी चल रही है और वह अपनी रैलियां आयोजित करके पार्टी के निर्देशों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं। अगर नवजोत सिंह सिद्धू भाजपा में लौटते हैं तो उन्हें अमृतसर से टिकट दिया जा सकता है। भले ही सिद्धू के राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, माझा क्षेत्र के भाजपा नेताओं को लगता है कि वह अपनी मूल पार्टी में फिर से शामिल हो सकते हैं और संभावित रूप से पंजाब से लोकसभा उम्मीदवार बन सकते हैं। भाजपा पदाधिकारी सोमदेव शर्मा ने कहा कि सिद्धू के पार्टी में शामिल होने के पुख्ता संकेत मिले हैं। उन्होंने कहा कि उनके शामिल होने की प्रत्याशा में अन्य भाजपा नेताओं और संभावित उम्मीदवारों के साथ चर्चा चल रही है, लेकिन विवरण पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। अमृतसर लोकसभा क्षेत्र परंपरागत रूप से भाजपा के लिए एक गढ़ रहा है।

मौसमी बीमारियों को लेकर समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए गए दिशा–निर्देश

जयपुर, एजेंसी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने मौसमी बीमारियों के मद्देनजर बृहस्पतिवार को यहां बैठक की, जिसमें अधिकारियों को मौसमी बीमारियों से बचाव एवं रोकथाम के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। आधिकारिक बयान के अनुसार विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने मौसम में बदलाव के कारण संक्रमण एवं वायरल के मामले बढ़ने के बीच यह बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को मौसमी बीमारियों से बचाव एवं रोकथाम के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए, साथ ही जनता से अपील की है कि वह सामान्य प्रयासों के माध्यम से मौसम परिवर्तन के कारण होने वाले रोगों से बचें तथा वायरल या संक्रमण के लक्षण होने पर यथाशीघ्र नजदीकी चिकित्सा केन्द्र पर जाकर परामर्श एवं उपचार ले। समीक्षा के दौरान चिकित्सा विशेषज्ञों ने बताया कि आमतौर परतापमान परिवर्तन के कारण संक्रमण विशेषकर वायरल रोग बढ़ जाते हैं, वर्तमान समय में तापमान, आर्द्रता एवं सामान्य व्यवहार के दृष्टिगत संक्रामक या वायरल रोग अधिक होते हैं, समय रहते बचाव व नियंत्रण के उपाय अपनाकर इन रोगों के प्रसार को कम किया जा सकता है और व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है। वहीं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने बृहस्पतिवार को यहां अपने राजकीय आवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने राज्य भर बड़ी संख्या में आए लोगों की परिवेदनाएं सुनीं एवं ज्ञापन लिए और अधिकारियों को इनके शीघ्र निस्तारण के लिए निर्देश दिए।

ममता राज में बंगाल में ना महिलाएँ सुरक्षित हैं ना मीडिया - अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज नई दिल्ली में पत्रकारों से किसान आंदोलन और संदेशखाली पर बातचीत की। किसान आंदोलन पर पूछे गए प्रश्नों के जवाब में श्री अनुराग ठाकुर ने कहा, ष्किसान को समृद्ध, सशक्त व उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए मोदी सरकार ने हर जरूरी कदम उठाए हैं, आगे भी निर्णय किसानों के हित में ही लिया जायेगा। अभी पहले चार चरणों की बातचीत में मोदी सरकार के वरिष्ठ मंत्रीगण चंडीगढ़ जाकर किसानों से मिल बैठकर विस्तृत और सकारात्मक परिचर्चा कर चुके हैं। मोदी सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आगे भी हम चर्चा के लिए हमेशा तैयार हैं। हम सभी को मिलकर प्रयास करने चाहिए कि हिंसा, आगजनी ना हो और किसी को भी जान माल का नुकसान ना पहुंचे। श्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि हमने कल ही गन्ने की कीमत 315 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 340 रुपए प्रति क्विंटल की है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 8ः की

बढ़ोतरी है जिस पर 107 प्रतिशत का रिटर्न है। श्री अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि मोदी सरकार किसानों की आय दोगुनी करने हेतु सभी प्रयास कर रही है। हमने स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट को लागू किया। कांग्रेस के 10 वर्षों के कार्यकाल में फसलों की कुल खरीद मात्र रू5.50 लाख करोड़ की हुई थी। मोदी सरकार ने रू18.39 लाख करोड़ की खरीद की है। यानी लगभग साढ़े तीन गुना ज्यादा। इससे पता चलता है की हमने दाम भी बढ़ाए और खरीदारी भी दोगुनी से ज्यादा की। इसके अलावा मोदी सरकार ने किसानों को सम्मान निधि के तौर पर रू 2.81 लाख करोड़ रुपए दिए। 2013–14 में जब यूपीए की सरकार थी, तब कृषि बजट रू27 हजार 662 करोड रुपए था। अभी मोदी सरकार का कृषि बजट रू1 लाख 25 हजार करोड़ से ज्यादा है। यानी यूपीए काल से 5 गुना ज्यादा। यूपीए काल की फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को कुछ नहीं मिलता था। मोदी सरकार में डेढ़ लाख करोड़ से ज्यादा का मुआवजा किसानों को मिला है। 10 हजार एफपीओ में से 8 हजार बन चुके हैं और इसे लाखों किसान भी जुड़ चुके हैं। हमने रू1 लाख करोड़ का एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड बनाया जिसमें से रू30 हजार करोड़ अब तक जारी किए जा चुके हैं। आगे मोदी सरकार द्वारा किसान हित में किए कार्यों की जानकारी देते हुए श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने बताया, ष्सिंचाई योजनाओं के लिए मोदी सरकार ने डेढ़ गुना ज्यादा यानी लगभग रू15 हजार 500 करोड़ रुपए खर्च किए। कांग्रेस के समय कृषि ऋण मात्र 7 लाख करोड़ रुपए के आसपास था जिसे बढ़ाकर हमने 20 लाख करोड़ रुपए किया है। और यह मात्र पिछले वर्ष का आंकड़ा है। इनके समय एक्सपोर्ट 2 लाख 62 हजार करोड रुपए का था, हमने 4 लाख 27 हजार करोड़ का किया। तो मोदी सरकार से कांग्रेस की तुलना करना ही व्यर्थ है। जिन्होंने 60 वर्षों में कुछ नहीं किया वह क्या हमसे तुलना करेंगे।

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली पर पूछे गए प्रश्नों के जवाब में श्री अनुराग ठाकुर ने कहा, पश्चिम बंगाल में माताएं, बहनें और बेटियां असुरक्षित महसूस कर रही हैं। संदेशखाली में महिलाओं के ऊपर जो अत्याचार हुआ है उसका संदेश देश की गली–गली तक गया है।

सत्यपाल मलिक के परिसरों पर सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) केंद्र शासित प्रदेश में एक जल विद्युत परियोजना का ाक स्थानों पर तलाशी ले रही है। अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने किरू हाइड्रो

ठेका देने में कथित भ्रष्टाचार की जांच के सिलसिले में जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक से जुड़े परिसरों सहित 30 से अधि इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के परिसरों की तलाशी ली। जांच एजेंसी ने मामले के सिलसिले में 30 स्थानों पर तलाशी ली। दिल्ली में मलिक के परिसरों की भी तलाशी ली जा रही है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) केंद्र शासित प्रदेश में एक जल विद्युत परियोजना का ठेका देने में कथित भ्रष्टाचार की जांच के सिलसिले में जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक से जुड़े परिसरों सहित 30 से अधि ाक स्थानों पर तलाशी ले रही है। अधिकारियों ने कहा कि यह मामला किरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (एचईपी) के 2,200 करोड़ रुपये के सिविल कार्यों को आवंटित करने में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है। सत्यपाल मलिक, जिन्होंने 23 अगस्त, 2018 से 30 अक्टूबर, 2019 के बीच जम्मू–कश्मीर के राज्यपाल के रूप में कार्य किया, ने दावा किया था कि उन्हें 624–मेगावाट से संबंधित दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए 300 करोड़ की रिश्वत की पेशकश की गई थी। किरू परियोजना किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर एक रन–ऑफ–रिवर योजना है। संघीय एजेंसी ने चल रही जांच के तहत पिछले महीने दिल्ली और जम्मू–कश्मीर में लगभग आठ स्थानों पर तलाशी ली थी। सीबीआई ने 21 लाख से अधिक की नकदी के अलावा डिजिटल उपकरण, कंप्यूटर, संपत्ति दस्तावेज और आपत्ति जनक दस्तावेज बरामद किए थे। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा था कि यह मामला एक निजी कंपनी सीवीपीपीपीएल के तत्कालीन अध्यक्ष, एमडी और निदेशकों और अज्ञात अन्य लोगों के खिलाफ जम्मू–कश्मीर सरकार से प्राप्त एक संदर्भ के आधार पर दर्ज किया गया था।

ईडी ने सीएम अरविंद केजरीवाल को भेजा 7वां समन, 26 फरवरी को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सातवां समन भेजा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए छठे समन पर प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश नहीं हुए, उनकी पार्टी ने समन को अवैध करार दिया। इससे पहले, राउज एवेन्यू अदालत ने केंद्रीय एजेंसी द्वारा दायर शिकायत के संबंध में केजरीवाल को दिन भर के लिए व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दी थी। केजरीवाल के वकील द्वारा दायर आवेदन में कहा गया है कि दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 15 फरवरी को शुरू हुआ और मार्च के पहले सप्ताह तक चलेगा। इसमें कहा गया है

कि वह 16 मार्च को सुनवाई की अगली तारीख पर अदालत के समक्ष शारीरिक रूप से उपस्थित होंगे। यह आरोप लगाया गया है कि शराब व्यापारियों को लाइसेंस देने के लिए दिल्ली सरकार की 2021–22 की उत्पाद शुल्क नीति ने गुटबंदी की अनुमति दी और कुछ डीलरों का पक्ष लिया, जिन्होंने कथित तौर पर इसके लिए रिश्वत दी थी।

सरकार को आंदोलनकारी किसानों से बातचीत करनी चाहिए – भूपेन्द्र हुड्डा

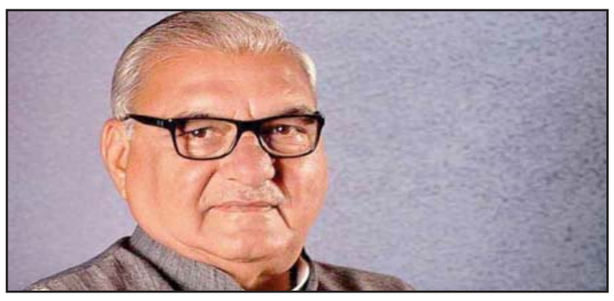

चंडीगढ़, एजेंसी। कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आंदोलन से उपजी मौजूदा स्थिति को चिंताजनक करार देते हुए कहा कि केंद्र सरकार को आंदोलनकारी किसानों से उनके मुद्दों को हल करने के लिए तुरंत बातचीत करनी चाहिए। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ने किसानों से शांति बनाए रखने की भी अपील की। हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष हुड्डा ने राज्य की विधानसभा में चल रहे स्थिति चिंताजनक है। सरकार को तुरंत किसानों के साथ बातचीत करनी चाहिए और उनके मुद्दों का समाधान करना चाहिए।

पंजाब–हरियाणा सीमा पर खनौरी बॉर्डर पर हुई झड़प में एक आंदोलनकारी की मौत और लगभग 12 पुलिसकर्मियों के घायल होने के बाद किसान नेताओं ने बुधवार को दो दिनों के लिए 'दिल्ली मार्च' रोक दिया था। हजारों किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी देने और कृषि ऋण माफी सहित अन्य मांगों को लेकर पंजाब–हरियाणा की सीमा के दो स्थलों पर जमे रहेंगे।

पीएम मोदी ने राजनीति में विश्वसनीयता के संकट को किया समाप्त - राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार शब्दों में नहीं काम में विश्वास करती है, और इस बात पर जोर दिया कि 2019 के चुनाव घोषणा पत्र में पार्टी द्वारा किए गए वादों और प्रतिबद्धता को कार्रवाई में तब्दील किया गया है। सिंह ने ओडिशा की एक दिवसीय यात्रा की, जिसके दौरान उन्होंने आगामी 2024 लोकसभा और ओडिशा विधानसभा चुनावों से पहले दो सार्वजनिक बैठकों और कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया। नवरंगपुर में राजनाथ सिंह ने कहा कि बीजेपी भारत की एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जो कहती है वो करती है। कांग्रेस चुनाव के समय जनता के बीच जाते हैं वादे करते हैं और चुनाव बीत जाने के बाद वादे को भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति में विश्वसनीयता के संकट की इस चुनौती को पहली बार किसी ने स्वीकार किया है, तो वो हैं हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी ने किया है। उन्होंने कहा कि ओडिशा के साथ मेरा एक भावनात्मक जुड़ाव है क्योंकि जब मैं पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष था तो

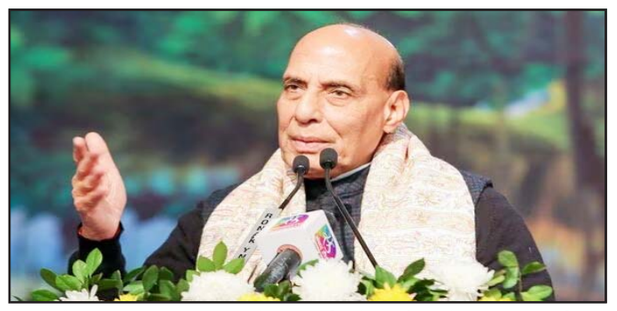

2006 में 'भारत सुरक्षा यात्रा' लेकर देश के अनेक राज्यों में जाना हुआ था। उसकी शुरूआत यहीं जगन्नाथ पुरी से ही हुई थी। राजनाथ ने कहा कि उस भारत सुरक्षा यात्रा के कारण मुझे उड़ीसा के अनेक जिलों में भी जाने का अवसर मिला। उस समय कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी और पूरे देश में भारत की आन्तरिक सुरक्षा और बाह्य सुरक्षा को लेकर तमाम चुनौतियां मुंह बाये खड़ी थी।

पीएम मोदी ने 48,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

गुजरात, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 48,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम मोदी की अपने गृह राज्य की यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लोकसभा चुनावों से पहले हो रही है, जो अप्रैल और मई में होंगे। परियोजना के शुभारंभ से पहले, पीएम मोदी ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लिया और गुजरात के तरभ में वलीनाथ महादेव मंदिर में पूजा और दर्शन किए। उन्होंने कहा कि आज से ठीक एक महीने पहले 22 जनवरी को मैं अयोध्या में प्रभु राम के चरणों में था। वहां मुझे प्रभु रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक आयोजन में शामिल होने का सौभाग्य मिला। उसके बाद 14 फरवरी (वसंत पंचमी) को अबु धाबी में खादी देशों के पहले हिंदू मंदिर के लोकार्पण का मुझे अवसर मिला। अभी 2–3 दिन पहले मुझे उत्तर प्रदेश के संभल में कल्कि धाम के शिलान्यास का भी मौका मिला। अब आज मुझे यहां तरभ में इस भव्य,

दिव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की विकास यात्रा में ये एक अद्भुत कालखंड है। ये एक ऐसा समय है, जब देवकाज हो या फिर देश काज, दोनों तेज गति से हो रहे हैं। देवसेवा भी हो रही है और देशसेवा भी हो रही है। उन्होंने कहा कि आज मैं इस पवित्र धरती पर एक दिव्य ऊर्जा महसूस कर रहा हूं। ये ऊर्जा हजारों वर्ष से चली आ रही उस आध्यात्मिक चेतना से हमें जोड़ती है, जिसका संबंध भगवान कृष्ण से भी है और महादेव से भी है। सैंकड़ों वर्ष पुराना ये मंदिर आज 21वीं सदी की भव्यता और पुरातन दिव्यता के साथ तैयार हुआ है। ये मंदिर सैंकड़ों शिल्पकारों, श्रमजीवियों के वर्षों के अथक परिश्रम का भी परिणाम है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां मंदिर सिर्फ देवालय या पूजा पाठ करने की जगह नहीं, बल्कि ये हमारी हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति और परंपरा के प्रतीक हैं। हमारे यहां मंदिर देश और समाज को अज्ञान से ज्ञान की तरफ ले जाने के माध्यम रहे हैं। मोदी ने कहा कि आज देश सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर चल रहा है। ये भावना हमारे देश में कैसे रची–बसी है, इसके दर्शन भी हमें वालीनाथ धाम में होते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी का लक्ष्य, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े देशवासी का भी जीवन बदलना है।

बीजेपी को कमलनाथ की जरूरत नहीं है, उनके लिए दरवाजे बंद हैं – कैलाश

मध्य प्रदेश, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के अगले राजनीतिक कदम को लेकर बरकरार संशय के बीच कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कांग्रेस के इस वरिष्ठ नेता की जरूरत नहीं है और उनके लिए पार्टी के दरवाजे बंद हैं। भाजपा के पूर्व महासचिव विजयवर्गीय कमलनाथ के उनकी पार्टी में शामिल होने की अटकलों को लेकर पूछे गये सवालों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, ''मैंने कहा था कि हमारी पार्टी में कमलनाथ की कोई जरूरत नहीं है और यही वजह है कि उनके लिए दरवाजे बंद हैं। पिछले सप्ताह मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके सांसद बेटे नकुल नाथ के नयी दिल्ली पहुंचने के बाद से ही अटकलें तेज हैं। हालांकि, कमलनाथ के विश्वासपात्र सज्जन सिंह वर्मा ने उनके भाजपा में शामिल होने की खबरों का खंडन किया है। कमलनाथ के अगले राजनीतिक कदम पर संशय के बीच, उनके गढ़ मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले से पार्टी के कई स्थानीय नेता बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के संबंध में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की टिप्पणियों को लेकर पूछे गये सवाल पर विजयवर्गीय ने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता और उनके जैसे अन्य लोग हताश हैं। विजयवर्गीय ने कहा कि वे जानते हैं कि उनका अब कोई राजनीतिक भविष्य नहीं है क्योंकि उनकी पार्टी के नेता अनुपयोगी हो गए हैं। उन्होंने यह भी कहा, ''इसलिए हताशा में वे कुछ भी कह देते हैं।

संपादकीय

दुनिया से एक युग का विदा हो जाना

प्रसारण जगत के इतिहास में ऐसा कोई दूसरा नाम याद नहीं आता जिसका नाम किसी कार्यक्रम या संबोधन का पर्याय बन गया हो। 20 फरवरी की रात को अमीन सयानी ने मंबई में अंतिम सांस ली। 92 वर्ष के अमीन साहब बीते कुछ बरसों से अस्वस्थ थे। संयोग देखिए कि बुधवार के दिन ही मंजर ए आम पर ये खबर फैली कि आवाज की दुनिया के जादूगर अमीन सयानी नहीं रहे। उसी दिन जो उनके करोड़ों प्रेमियों को बरसों उनकी याद दिलाता रहा। आवाज के माध्यम से कोई पचास बरस तक सयानी घर–घर का परिचित स्वर बने रहे। गाँधीवादी परिवार में जन्में अमीन सयानी की मातुश्री कुलसुम और बड़े भाई हमीद से बालक अमीन को अपने घर में शब्द और स्वर का संस्कार मिला। आजादी के आंदोलन से लेकर साठ के दशक तक रहबर नाम का ये रिसाला हिन्दी, उर्दू और गुजराती में शाया होता रहा। रहबर ने ही अमीन साहब के मन आसान जबान या कहें हिंदुस्तानी जुबान के लिए काम करने का बीज रोपा। वही भाषा संस्कार जीवन भर उनके साथ रहा। खनकती आवाज तो उनकी ताकत थी ही लेकिन उनके बनाए रेडियो प्रोग्राम्स, स्टेज शोज और इश्तेहारों की भाषा में सरल हिन्दुस्तानी जबान को हमेशा तरजीह मिलती रही। प्रसंगवश बता दूं कि उनकी स्वर्गीय पत्नी रमा भी अमीन सयानी के इश्तेहारों की कंटेंट राइटिंग में महत्वपूर्ण रोल निभाती रहीं।

सिंधिया स्कूल, ग्वालियर के पूर्व छात्र युवा अमीन सयानी ने मुम्बई के सेंट जेवियर्स से कॉलेज की पढ़ाई पूरी की। उनके अग्रज हमीद भाई के आकस्मिक निधन के बाद बिनाका गीतमाला की जिम्मेदारी अमीन साहब पर आई और इस रेडियो प्रोग्राम ने प्रसारण की दुनिया में जो मुकाम हासिल किया वह ऐसा शिखर है जिसे छू पाना लगभग नामुमकिन है। इसी कार्यक्रम ने उन्हें एक स्टार ब्रॉडकास्टर का दर्जा दिया। तकरीबन अस्सी के दशक तक फिल्म इण्डस्ट्री के लगभग सभी कार्यक्रमों के प्रस्तोता अमीन सयानी ही होते। विदेशों में भी भारतीय श्रोताओं और संगीत प्रेमियों में उनकी लोकप्रियता का कोई सानी नहीं था। रेडियो की दुनिया और अमीन सयानी की जिन्दगी में बिनाका गीतमाला एक कल्ट शो बन गया था। और तो और श्रीलंका का पूर्णकालिक रेडियो स्टेशन बिनाका गीतमाला के नाम से ही प्रतिष्ठित हुआ। बुधवार की रात सीलोन रेडियो से जैसे ही सिग्नेचर ट्यून के बाद बहनों दृ भाइयों का संबोधन गूँजता, पूरा हिन्दुस्तान थम सा जाता। फिल्मी संगीत की आमद का ये शो किसी रोमांच से कम नहीं था। बेशक संगीतकारों, गीतकारों और गायक–गायिकाओं के अथक परिश्रम से ही कोई गीत श्रोताओं के बीच लोकप्रिय होता लेकिन यह भी निर्विवाद सत्य है कि फिल्मी पत्रिकाओं, टीवी, सोशल मीडिया से पहले बिनाका गीतमाला ही वह प्लेटेफॉर्म थी जो चित्रपट गीतों को जन–जन में पहुँचाने में कारगर होती थी। इस कार्यक्रम की अपार लोकप्रियता के भय ने ही विविध भारती की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। सन 1957 तक आकाशवाणी ही अस्तित्व में था जहाँ से बमुश्किल दस मिनिट का एक कार्यक्रम फिल्म संगीत पर प्रसारित होता था। तत्कालीन सूचना प्रसारण मंत्री बी. वी. केसकर फिल्मी गीतों के इस छोटे से प्रसारण को बेहूदा कह के बंद करवा दिया। ये वही केसकर थे जिन्होंने आकाशवाणी पर हारमोनियम भी यह कह कर प्रतिबंधित किया था कि वह एक विदेशी वाद्य है। बहरहाल फिल्म संगीत के श्रोता छटपटा उठे और प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपने कवि सहयोगी पं. नरेन्द्र शर्मा को मुम्बई भेजा, जहाँ सुगम और फिल्म संगीत के विविध मनोरंजन वाले पंचरंगी केन्द्र विविध भारती की स्थापना हुई। लेकिन तब तक बिनाका गीतमाला का परचम पूरे भारत में लहरा चुका था। पचास से सत्तर के दशक तक यदि किसी फिल्मी गीत की टीआरपी जैसी कोई चीज होती तो निर्विवाद रूप से उसका आधार बिनाका गीतमाला की पहली पायदान होती। बिनाका गीतमाला के बारे में मैंने फिलिप्स रेडियो के नीमच के डीलर और कविवर बालकवि बैरागी के बालसखा भानु दवे से बात की। उन्होंने बताया कि बुधवार को साठ और सत्तर के दशक में मेरे शो–रूम के सामने ऐसी भीड इकट्ठी होती कि मेनरोड पर अफरा–तफरी मच जाती। तब नये–नये पदस्थ हुए आईपीएस पुलिस अधिकारी स्वराज पुरी ने दवे जी दुकान पर हर बुधवार की रात को पुलिस फोर्स लगवानी शुरु कर दी। दवे जी ने बताया कि बिनाका गीतमाला में गीत आते ही मेरी दुकान पर एच.एम.वी. रेकॉर्ड्स की बिक्री में इजाफा हो जाता था। बॉबी के गीत झूठ बोले कौवा काटे के बिनाका गीत्माला के पहली पायदान पर आते ही अगले हफ्ते 300 ग्रामोफोन रेकॉर्ड बिके जो तब का एक रेकॉर्ड था। नीमच जिले के जनपदीय अंचल से लोग सपरिवार रेडियो खरीदने आते और उनकी मांग रहती कि अगले बुधवार के पहले हमारे घर रेडियो सेट लग जाना चाहिए। ग्राहक इस बात की खातरी करवाते कि उनके पसंदीदा सेट में बिनाका गीतमाला सुनाई देनी चाहिए नहीं तो माल वापस करना होगा! दवे जी बताते हैं बुधवार की शाम मुझे अपनी दुकान पर एक टेक्नीशियन रखना ही पड़ता था क्योंकि यदि बिनाका गीतमाला नहीं सुनाई देती तो उसे ग्राहक के घर भेज कर एरियल ठीक करवाना पड़ता था।ये था बिनाका और अमीन साहब का जलवा। अमीन सयानी का अवसान आवाज की दुनिया से एक युग का विदा हो जाना है। उनके प्रोफेशनली निष्क्रिय होने के उपरांत तकनीकी रूप से प्रसारण की दुनिया में बहुतेरे परिवर्तन आए।

चीन पर भारत की नीति पर दोबारा विचार करने का समय आ गया

आदित्य

चीन के प्रति भारत की नीति के संपूर्ण पहलू पर व्यापक रूप से पुनर्विचार करने का समय आ गया है। क्यों? क्योंकि, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की सात दशक की निरंतर शत्रुता के बावजूद, लगातार भारतीय प्रतिष्ठान आम नागरिकों को अच्छा महसूस कराने के लिए एक सतत चीन नीति पर एक सूक्ष्म रुख तैयार करने में कामयाब नहीं हुए हैं। भारत द्वारा सीपीसी से हाथ मिलाने की बार–बार की गई कोशिशों के कारण ही चीन को हार का सामना करना पड़ा है। ड्रैगन के कुटिल और शातिर तरीकों के कारण, किसी को यह पता लगाने के लिए प्रामाणिक, विश्वसनीय ओपन–सोर्स डेटा का सहारा लेना पड़ता है कि चीनी भारत और उसके आसपास किस तरह की चालें चल रहे हैं। नवीनतम जेन्स वर्ल्ड आर्मीज 2023 (अंक 54, पृष्ठ 124) पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के व्यापक स्पेक्ट्रम और सभी वैश्विक भूमि शक्तियों की तैनाती, उपकरण, प्रशिक्षण, संगठन, संचालन, अभ्यास आदि को दर्शाता है। रॉयटर्स और बीबीसी द्वारा 22 जून 2020 को किए गए विश्लेषण से पता चलता है कि चीनी तंबू वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के भारतीय हिस्से में 1.5 किमी अंदर स्थापित किए गए हैं। ये संरचनाएँ एक महीने पहले, 22 मई 2020 की इमेजरी में मौजूद नहीं थीं। प्रसंगवश, हाल ही में भारतीय अखबारों में छपी खबर को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता रू ष्लद्दाख के चरवाहे चीनी पीएलए के साथ आंख में आंख मिलाए हुए हैं ष्। जनवरी की शुरुआत में लद्दाख के खानाबदोशों ने ष्न्योमा क्षेत्र ष में चरागाह क्षेत्र से उन्हें बाहर निकालने की चीनी सेना की कोशिशों का विरोध करने के लिए प्रशंसा अर्जित की। इस प्रकार, क्या इंग्लैंड और भारत की ये दो कथाएँ एक–दूसरे को प्रमाणित और पुष्ट करती हैं? क्या चार साल के अंतराल वाली इन दोनों घटनाओं के बीच कोई समानता नहीं है? क्या ये दो प्रकरण भारतीय क्षेत्र का खुला उल्लंघन नहीं दिखाते? क्या इस देश में कुछ तत्वों द्वारा बीजिंग में धमकाने वालों को बढ़ावा देने की कोशिश में ऐसी घटनाओं को कभी भी हल्के में लिया जा सकता है, या अनदेखा भी किया जा सकता है, ताकि वे द्विपक्षीय व्यापार (जो वैसे भी भारत के खिलाफ है) को ट्रैक पर रख सकें? उनके लिए, रेड ड्रैगन द्वारा भारतीय संप्रभुता का बार–बार उल्लंघन उनके अपने व्यावसायिक हितों और मुनाफे की तुलना में बहुत कम महत्व रखता है। जाहिर है, चीनियों ने इसका पूरा फायदा उठाया है और लगातार भारतीयों के एक वर्ग को दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश करते हैं। सीपीसी को जबरन अपनी इच्छा थोपने में सक्षम बनाने के लिए भारत के लोकतंत्र और जनसांख्यिकी का शोषण किया जाता है। बीजिंग के प्रतिनिधि लगातार दावा करते हैं कि सीमा मुद्दे को एक तरफ रखा जाना चाहिए, जबकि दोनों देश ष्अन्य क्षेत्रों ष में अपने संबंधों को आगे बढ़ाते हैं। वे समय–समय पर अपनी ष्व्याख्या ष के अनुसार एलएसी पर सीमा रेखा को संशोधित करने के अधिकार का भी दावा करते हैं, जिससे पीएलए की गश्त का दायरा बढ़ जाता है, लेकिन जैसे ही भारत अपनी व्याख्या के अनुसार पारस्परिक अधिकार का प्रयोग करने की कोशिश करता है, घर्षण भड़क उठता है। ड्रैगन इस बात पर जोर देता रहता है कि भारत और चीन में मतभेदों के अलावा समानताएं अधिक हैं, कि दिल्ली को मतभेद के एकमात्र बिंदु के बजाय अभिसरण पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन बीजिंग को आपसी हितों में कोई दिलचस्पी नहीं है। सीमा संबंधी मुद्दों को सुलझाने में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है क्योंकि सीपीसी विस्तार और भारत के विकास को रोककर रखने के बड़े खेल में लगी हुई है। भारत ने भी कई गलतियाँ की हैं, जिससे चीनी द्विपक्षीय व्यापार संतुलन 1999–2000 तक नई दिल्ली के लिए एक अपरिवर्तनीय नुकसान तक पहुँच गया। वार्षिक भारत–चीन द्विपक्षीय व्यापार आंकड़ों पर ओपन–सोर्स चीनी सीमा शुल्क डेटा से पता चला है कि जनवरी–दिसंबर 2023 में कुल लेनदेन मूल्य रिकॉर्ड 136.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। चीन समर्थक भारतीय व्यवसायियों का एक वर्ग ष्अच्छा महसूस ष कर सकता है क्योंकि भारत का वार्षिक व्यापार घाटा थोड़ा कम हो गया है, 2022 में 101 बिलियन डॉलर से 2023 में 99.2 बिलियन

डॉलर हो गया है, और चीन को भारत का निर्यात 2022 में 17.48 बिलियन डॉलर से ष्बढ़ गया ष है। 2023 में +18.5 बिलियन। हालाँकि, जेन्स वर्ल्ड आर्मीज 2023 (पेज 128) से भारत के लिए और भी बुरी खबररू ष्चीन और भारत द्वारा संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास (जिसे हैंड–इन–हैंड के रूप में जाना जाता है) सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय रक्षा आदान–प्रदान में से एक है ष। इसकी शुरुआत 2007 में चीन के जनरल गुआंग की भारत यात्रा से हुई। पहला हैंड–इन–हैंड अभ्यास दिसंबर 2007 में कुनमिंग में हुआ, उसके बाद दूसरा दिसंबर 2008 में बेलगाम में हुआ, जो विद्रोह–विरोधी और आतंकवाद– विरोध ी अभियानों पर केंद्रित था। वह कितना अवास्तविक था? एक ओर, चीन लगातार भारत को आतंकित करता है – भारत के भीतर और बाहर दोनों जगह आतंकवादियों और विद्रोहियों को समर्थन, सलाह और उकसाता है, और साथ ही वह अपने प्रमुख शिकार नई दिल्ली के साथ साझेदारी करता है? और नई दिल्ली इसे दृढ़ता से स्वीकार करती है? 2008 से 2013 तक पांच साल के निलंबन के बाद, जनवरी 2013 में चीन में बीजिंग–दिल्ली रक्षा वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए भारत की क्या मजबूरी थी?

कैंसर से जंग के नए हथियार, इम्यूनोथेरेपी ने जगाई नई उम्मीदें

निरंकार

ब्रिटेन ने कैंसर की वैक्सीन तैयार कर ली है और इम्यूनोथेरेपी कैंसर से जंग का नया हथियार बन रही है। अब इससे जानलेवा कैंसर पर लगाम लगाई जा सकती है। ब्रिटेन में कैंसर वैक्सीन का फ्री ट्रायल शुरू हो चुका है। इसका मुख्य उद्देश्य व्यक्ति के शरीर में कैंसर कोशिकाओं की पहचान करना और उनसे लड़ने की क्षमता विकसित करना है। अभी इसका क्लीनिकल ट्रायल चल रहा है, जिसके तहत एक 81 साल के एक मरीज को इसकी पहली खुराक दी गई है। चिकित्सा विज्ञान में आजकल कई अलग–अलग पद्धतियों से कैंसर का उपचार किया जाता है, जो कई मामलों में कारगर भी साबित हो रही हैं। कुछ इसी तरह से इन दिनों इम्यूनोथेरेपी का इस्तेमाल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में भी किया जा रहा है। इसमें हमारे शरीर की इम्यूनिटी को कैंसर कोशिकाओं से लड़ने के लिए मजबूत बनाया जाता है। यह उपचार प्रणाली रोगी के इम्यून सिस्टम में सामान्य ट्यूमर मार्कर पेश करने के लिए मैसेंजर आरएनए का उपयोग करती है। इसका लक्ष्य इम्यून सिस्टम को इस प्रकार से विकसित करना है कि वह इन कैंसर कोशिकाओं को पहचान कर उनका मुकाबला कर सके। इसका काम संभावित रूप से उन कोशिकाओं को नष्ट करना है, जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को दबा सकती हैं। मॉडर्ना–यूके स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप के सहयोग से आयोजित इंपीरियल कॉलेज का परीक्षण यूके में एमआरएनए वैक्सीन निर्माण करने और भविष्य की स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए तैयारियों को बढ़ाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। यूके सरकार ने कैंसर के लिए एमआरएनए –आधारित इम्यूनोथेरेपी के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए कई दवा कंपनियों के साथ सहयोग किया है। ऐसे कई उपचार वर्तमान में क्लीनिकल टेस्टिंग के प्रारंभिक चरण में हैं, जहां उनके एक्शन, प्रोटेक्शन और प्रारंभिक गतिविधि का आकलन किया जा रहा है। कैंसर का इलाज अभी तक रेडिएशन (विकिरण) या कीमोथेरेपी (रसायन चिकित्सा) के भरोसे है, जिसमें कैंसर की कोशिकाओं को मार देते हैं या सर्जरी करते हैं, जिसमें ट्यूमर को पूरा निकाल देते हैं। मगर हीमैटोलॉजिकल या रक्त कैंसर सरीखे कुछ प्रकार के कैंसरों की उन्नत अवस्था में इन इलाजों की सफलता की दर 10 फीसदी से भी कम है। कीमो या रेडिएशन के दुष्प्रभाव–उलटी, दस्त, शरीर दर्द, त्वचा व बालों का झड़ना, रक्तस्राव, अनिद्रा आदि हिम्मत तोड़ने वाला है, क्योंकि दोनों इलाज कैंसर की कोशिकाओं के साथ अंततः शरीर की स्वस्थ–सामान्य कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाते हैं। मौजूदा इलाज कैंसर की हर एक कोशिका को खत्म कर देने की भी गारंटी नहीं देते। उन्नत अवस्था के कैंसरों में इसके दोबारा होने की संभावना 30 से 40 फीसदी बनी रहती है। यहीं इम्यूनोथेरेपी या प्रतिरक्षा उपचार की अहमियत सामने आती है। बीते कुछ वर्षों में कैंसर रिसर्च ने इस पर ध्यान केंद्रित किया है कि कैंसर की कोशिकाओं को पहचानकर उन्हें नष्ट करने के लिए खुद इंसान के शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कैसे और किन तरीकों से सक्रिय किया जा सकता है। गुरुग्राम स्थित आर्टेमिस अस्पताल में आन्कोलॉजी के चेयरपर्सन और नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में मेडिकल आन्कोलॉजी के पूर्व प्रमुख डॉ. ललित कुमार बताते हैं कि किसी भी बीमारी से निजात पाने का शरीर का अपना तंत्र होता है। कैंसर में यह तंत्र किसी न किसी तरह ठप हो जाता है। बहुत सारे नए उपचारों का वास्ता इस बात से है कि इन कोशिकाओं को छिन्न–भिन्न करने के लिए शरीर को कैसे तैयार किया जाए।इम्यूनोथेरेपी पक्का करती है कि केवल कैंसर ट्यूमर को ही निशाना बनाया जाए और स्वस्थ कोशिकाओं को नहीं, जिससे दुष्प्रभाव कम होते हैं। अगर कैंसर दोबारा होता है, तो इम्यून या प्रतिरक्षा प्रणाली नुकसानदायक कोशिकाओं को पहचान सकती है। इलाज की सारी विधियां शरीर में कैंसर जनित कोशिकाओं को नष्ट करने पर निर्भर हैं। पर अब पता चला है कि कैंसर रोगी की इम्यूनिटी बढ़ाकर भी उसे ठीक किया जा सकता है। इम्यूनोथेरेपी को लेकर लोगों की उम्मीद बढ़ गई है। अब कैंसर मरीजों के इलाज में इस थेरेपी का महत्व धीरे–धीरे काफी बढ़ रहा है। यह थेरेपी रेक्टल कैंसर, लंग्स कैंसर और ओरल कैंसर में मुख्य रूप से दी जाती है।

कोविड ने बदल दी दुनिया, छोटे शहरों का रुख करती जिंदगी

आसिफ

कोविड ने दुनिया को बदलकर रख दिया। यह हम सभी जानते हैं कि इससे मानव जीवन की विनाशकारी क्षति हुई, लेकिन इसने एक मौन आंदोलन को भी जन्म दिया, जिस पर ध्यान नहीं दिया गया। लोग बड़े शहरों से छोटे शहरों में स्थानांतरित होने लगे और उन्होंने शांत व धीमी गति वाले जीवन को चुना। मैंने खुद ऐसा किया है, मिलेनियम सिटी गुरुग्राम से मैं एक छोटे घाटी शहर देहरादून में स्थानांतरित हो गई हूं। हालांकि मैं इन दोनों शहरों में आती–जाती रहती हूं, लेकिन अब मैं अपना ज्यादातर समय देहरादून में ही बिताती हूं, जो एक छोटा अनोखा शहर है और शैक्षणिक संस्थानों, सेना और सेवानिवृत्त लोगों का प्रमुख केंद्र भी है। यहां जिंदगी की रफ्तार थोड़ी धीमी है, लेकिन हवा अपेक्षया साफ है। कोविड के दौरान, विशेष रूप से डेल्टा वायरस की लहर के समय, जब अस्पतालों में बिस्तर और ऑक्सीजन की कमी हो गई थी, लोगों ने यह सोचना शुरू कर दिया था कि बड़े शहरों में रहने के नुकसान ज्यादा हैं।

सामान्य दिनों में लंबा ट्रैफिक जाम, वायु गुणवत्ता की बदतर स्थिति, चरम मौसमी स्थितियां और व्यस्त व आक्रामक सामाजिक माहौल ऐसी चीजें हैं, जो लोगों को बड़े शहरों से दूर कर रही हैं। कोविड काल के बाद प्रचलित मिश्रित कार्य–संस्कृति का मतलब यह भी है कि जो लोग खर्च उठाने में सक्षम हैं, वे तेजी से स्थानांतरित हो रहे हैं। चाहे राजमार्गों का विकास हो या उड़ान योजना, पिछले दस वर्षों में बढ़ी कनेक्टिविटी ने भारत को आपस में अधिक जोड़ा है। इसके साथ ही इंटरनेट ने भी दूरियां कम की हैं। और यह सब इतनी तेजी से बदला है कि हैरानी होती है। एक दशक पहले जब मैं टीवी बहस में शामिल होती थी, तो कैमरामैन, लाइटमैन और साउंडमैन के साथ एक बड़ी ओबी वैन आती थी। वे लोग मेरे घर में लाइट और कैमरा लगाते थे, मुझे लाइव टीवी स्टूडियो से जोड़ते थे। आज मैं चाहे दुनिया में कहीं भी रहूं, जूम के माध्यम से टीवी बहस में शामिल हो सकती हूं। यह एक ऐसा बदलाव है, जो मैंने अपनी आंखों से देखा है। अस्तित्व के संकट और परिस्थितिवश मजबूरी में लोग बड़े शहरों में रहने के लिए बाध्य होते थे, लेकिन अब कई लोग ऐसी बाध्यता महसूस नहीं करते हैं। देहरादून में मेरे अपार्टमेंट में एक नई बात यह है कि यहां बहुत से वरिष्ठ नागरिक हैं, लेकिन तीस से चालीस की उम्र के लोगों की संख्या भी कम नहीं है, जो बड़े से छोटे शहरों में शहरी परिप्रेक्ष्य लेकर आए हैं और साथ ही संतोष की हवा भी। भारत में हुए तीव्र विकास से उन लोगों के लिए छोटे शहरों में रहना आसान हो गया है, जो बड़े शहरों में रहने के आदी हैं। साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं में भी काफी सुधार हुआ है। जीवन–शैली में बदलाव अब उतना कठोर नहीं रह गया है, जितना पहले माना जाता था। असल में जीवन–यापन की लागत सस्ती हो गई है और पैसे के लिहाज से अचल संपत्ति का मूल्य बढ़ गया है। शिक्षा के प्रचुर अवसर हैं और सार्वजनिक परिवहन सुविधाजनक है।

मेरे बचपन में दिल्ली से देहरादून पहुंचने में रुकते हुए सात से नौ घंटे लगते थे, लेकिन अब मुश्किल से चार घंटे लगते हैं तथा इसमें और कमी होने वाली है। गुरुग्राम से जयपुर मात्र तीन घंटे दूर है और बीस साल पहले गाड़ी से इतनी दूरी तय करने में पांच घंटे लगते थे। छोटे शहर सामाजिक रूप से घुलने–मिलने के भी काफी अवसर प्रदान करते हैं, लोगों के पास काफी समय होता है और वे एक–दूसरे का साथ ढूंढते हैं। बड़े शहरों, जहां मानव अस्तित्व एक निश्चित संकीर्णता में घिर गया है, के विपरीत देश के छोटे शहरों और कस्बों में समुदाय की अवधारणा अब भी काफी जीवित है। जब यह सदी शुरू हुई होगी, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि भारत के लोग छोटे शहरों में जाना चाहेंगे, लेकिन आज हम छोटे शहरों की तरफ रुख कर रहे हैं। जीवन की गुणवत्ता, यात्रा में आसानी और ई–कॉमर्स–इन सबने इस बदलाव का मार्ग प्रशस्त किया है। अब चुनौती यह है कि छोटे शहरों की गुणवत्ता बनाकर रखी जाए और इन्हें शहरी फैलाव न बनने दिया जाए। विवेकपूर्ण शासन से ऐसा संभव है। इसके अलावा यह प्रवासन भारतीयों की प्राथमिकता और मूल्यों में ठोस बदलाव को भी दर्शाता है, जो इस पारंपरिक आख्यान को चुनौती देता है कि सफलता महानगरीय जीवन का पर्याय है। भारत के लोगों में आत्मबोध और सांस्कृतिक जागरूकता का विकास तेजी से हो रहा है। पश्चिमी जीवन–शैली का अंधानुकरण थम गया है और लोगों ने उस जीवन–शैली की विफलता को पहचान लिया है। समुदाय और परिवार पर ध्यान केंद्रित करने वाली भारतीय जीवन–शैली ऐसी समृद्धि लाती है, जिसकी गणना नहीं की जा सकती। मानसिक स्वास्थ्य की मूक महामारी से बच्चे भी प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए आधुनिक समय में यह बेहद महत्वपूर्ण हो गया है कि हम अपने मूल्यों के साथ तालमेल बिठाएं और उसे समृद्ध करें। और यह पूरी तरह संभव है। लंबी जीवन–प्रत्याशा वाले भौगोलिक क्षेत्रों यानी ब्लू जोन्स का अध्ययन दर्शाता है कि इसका एक प्रमुख कारण सामुदायिक जीवन जीना और दूसरे मनुष्यों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहने से लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिलती है– फोन या इंटरनेट पर नहीं। जैसे–जैसे ज्यादा भारतीय सफलता को फिर से परिभाषित करेंगे और चूहा–दौड़ से अधिक कल्याण को प्राथमिकता देंगे, बड़े शहरों से छोटे शहरों में जाने का चलन बढ़ेगा, देश के जनसांख्यिकी स्वरूप में बदलाव होना जारी रहेगा। यह जीवन के प्रति अधिक संतुलित और समग्र दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है, जो इस पारंपरिक ज्ञान को चुनौती देता है कि शहरीकरण ही समृद्धि का अंतिम रास्ता है। छोटे शहरों की शांति को अपनाकर अब लोग कामयाबी की नई परिभाषा तलाश रहे हैं, जो अराजक शहरी जीवन–शैली के ऊपर खुशी, स्वास्थ्य और सामुदायिक भावना को तवज्जो देती है। गांधी जी ने जिस भारत को गांवों में बताया था, वह नए समय में छोटे–छोटे शहरों में भी दिखाई देता है।

भारत के अधिकांश स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो रही कठिन

ललित

आइए उनके अनुप्रयोगों से शुरुआत करें। मेरा मानना है कि शिक्षक–प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में बायोडाटा लिखने और साक्षात्कार का सामना करने के सिद्धांतों और तकनीकों को शामिल करने की आवश्यकता है। एक दिन एक वरिष्ठ सहकर्मी कुछ आवेदन भेजने के अनौपचारिक तरीके पर दुख व्यक्त कर रहा था। कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं मैंने अपने स्वामी किए हैं... (एस से पहले कोई एपोस्ट्रोफ या अनुशासन का उल्लेख नहीं है) मेरा शौक नेट सर्फिंग है (यह कितना हास्यास्पद है!) कुछ एप्लिकेशन सजावटी तरीके से स्वरूपित किए गए हैं और फिर भी महत्वपूर्ण जानकारी छोड़ दी गई है। अब कई स्कूलों ने उम्मीदवारों से प्रासंगिक और संपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए अपना स्वयं का आवेदन पत्र डिजाइन किया है। दुर्भाग्य से, यह आवेदकों को वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियाँ करने से नहीं रोकता है। जाहिर है, उन्हें नहीं लगता कि दस्तावेज जमा करने से पहले उसकी जांचध्संशोधन किया जाना चाहिए। पहले ऐसे आवेदनों को सिरे से खारिज कर दिया जाता था. लेकिन भले ही कोई देखता है कि ष्अलगष् समायोजित, सहयोगी और अवसर जैसे सरल शब्द गलत तरीके से लिखे गए हैं, अगर अन्य पैरामीटर पर्याप्त पाए जाते हैं तो इसे शायद नजरअंदाज करना होगा। शिक्षकों की कमी को देखते हुए, पुरानी कहावत, ष्भिखारी चयनकर्ता नहीं हो सकतेष् दिमाग में आती है। इंटरव्यू के दौरान कुछ अजीब ट्रेंड देखने को मिलते हैं. जब साक्षात्कार कर्ताओं से अपने बारे में कुछ कहने के लिए कहा जाता है, तो वे वही दोहराते हैं जो उन्होंने अपने सीवी में प्रस्तुत किया था। उनकी कमजोरियों के बारे में पूछे जाने पर, वे कहते हैं कि वे बहुत अधिक पूर्णतावादी हैं, या कि वे बहुत अधिक भावुक हैं या अपनी देखभाल में प्रत्येक बच्चे को परेशान करने में बहुत अधिक समय बिताते हैं। सभी बहुत सुरक्षित और अहानिकर। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके पास कोई प्रश्न है, तो वे या तो नहीं कहते हैं या स्कूल के समय या अन्य सांसारिक जानकारी के बारे में पूछते हैं। अगला चरण डेमो पाठ है। उनके श्रेय के लिए, शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवार आमतौर पर कक्षा में शिक्षण के सभी सिद्धांतों का पालन करते हैं, जैसे कि सभी छात्रों के बीच समान रूप से प्रश्न वितरित करना, पावर प्वाइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रौद्योगिकी का उपयोग करना या पाठ को समृद्ध करने के लिए रोमांचक यूट्यूब वीडियो दिखाना। कक्षा अनुशासन का आश्वासन दिया जाता है क्योंकि प्रिंसिपल या उप–प्रिंसिपल और एक ष्विषय विशेषज्ञष् एक ही कक्षा में बैठे होते हैं। हालाँकि, यह देखा गया है कि वे छात्रों से प्रश्न पूछने की कोशिश नहीं करते हैं, न ही उनमें नए क्षेत्र में प्रवेश करने का साहस है। वे छात्रों को जो उदाहरण या केस स्टडी देते हैं, वे अधिकतर सामान्य होते हैं जिन्हें निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में उद्धृत किया गया है। जब हम थोड़ा गहराई से जांच करते हैं, तो शिक्षक घोषणा करते हैं कि छात्रों को अपने परीक्षा पाठ्यक्रम से परे कुछ भी सीखने में कोई दिलचस्पी नहीं है। यह हमारी शैक्षिक समस्याओं के मूल कारणों में से एक है। फिर भी, शिक्षक भी आसानी से इस जाल में फंस जाते हैं और जल्द ही ष्परीक्षण के अनुसार पढ़ानेष् के लिए बाध्य हो जाते हैं।

पाठ्यपुस्तकों पर अत्यधिक निर्भरता के बारे में बहुत चर्चा हुई है, फिर भी अधिकांश शिक्षक ष्विषयोंष् के बजाय अध्यायों का संदर्भ देने पर जोर देते हैं और भयावह रूप से, कुछ तो छात्रों से अपनी पाठ्यपुस्तकें निकालने और उन विषयों को रेखांकित करने या पेंसिल से लिखने के लिए भी कहते हैं जो क्रमशः महत्वपूर्ण या महत्वहीन हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि ष्महत्वपूर्णष् बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम और दायरे के संदर्भ में है। कुछ शिक्षक अपने दृष्टिकोण में इतने संरचित और कठोर होते हैं कि वे किसी दिलचस्प और प्रासंगिक बिंदु का उल्लेख सिर्फ इसलिए नहीं करते क्योंकि यह उच्च कक्षा के पाठ्यक्रम में है। उन्हें संदेह का लाभ देने के लिए, यह संभव है कि उन्हें उनके वरिष्ठों द्वारा पाठ्यक्रम पर टिके रहने का निर्देश दिया गया हो। कुछ अनभिज्ञ माता–पिता भी शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे पर अनावश्यक चीजों का अत्यधिक बोझ डाला जा रहा है। जहां तक नई शिक्षा नीति के बहुप्रचारित अंतर–विषयक या बहु–विषयक दृष्टिकोण का सवाल है, शिक्षकों को इन दोनों अवधारणाओं की बहुत सीमित समझ है। कई शिक्षक किसी विषय को पढ़ाने के लिए विभिन्न विषयों के ज्ञान का उपयोग करते हैं, लेकिन विभिन्न विषयों से जानकारी प्राप्त करना और एक संश्लेषित समग्रता को प्रस्तुत करना ज्यादातर मामलों में नहीं किया जाता है। इसकी उम्मीद करना शायद जल्दबाजी होगी. लेकिन हमें इस गलत धारणा से सावधान रहना चाहिए कि यदि स्कूल विभिन्न विषयों में मिश्रित विषयों की पेशकश करता है, तो अंतर–विषयक दृष्टिकोण का लक्ष्य प्राप्त हो जाता है। हाल ही में, एक निश्चित स्कूल में दो गणित शिक्षकों के बीच चयन करने को लेकर दुविधा थी, जिन्होंने आवेदन और उसके बाद के मूल्यांकन की प्रक्रिया को संतोषजनक ढंग से पूरा किया था। दोनों ने अच्छे साक्षात्कार दिए थे, लेकिन एक का डेमो पाठ, हालांकि त्रुटि रहित था, घातक रूप से नीरस निकला, जबकि दूसरे का डेमो पाठ रोमांचक और एनिमेटेड था, लेकिन एक अवधारणा को समझाते समय एक बुनियादी गलती हो गई थी। मामले की जटिलता को और बढ़ाने के लिए, पहले उम्मीदवार का आवेदन पत्र नासमझी भरी प्रतिक्रियाओं से भरा था। जाहिर है, हम ऐसे शिक्षक को चुनने का जोखिम नहीं ले सकते थे जिनकी खुद की अवधारणाएं मजबूत नहीं थीं और न ही हम ऐसे शिक्षक को नियुक्त कर सकते थे जो मजबूत न हों। वह अपने विद्यार्थियों में गणित के प्रति उत्साह पैदा करने में सक्षम होगी। कभी–कभार, हमें सही शिक्षक पाकर खुशी होती है जो सभी मानदंडों को पूरा करता है और यहां तक कि एक उत्कृष्ट डेमो पाठ भी देता है। हमें निराशा हुई, हमें जल्द ही पता चला कि नवनियुक्त शिक्षक के पास खराब लोक कौशल और खराब कार्य नैतिकता है। ऐसे मामलों में, हमें कार्ल जंग के शब्द याद आते हैं कि कभी–कभी प्रतिभा और उसके मानवीय गुणों के बीच इतनी विसंगति होती है कि किसी को खुद से पूछना पड़ता है कि क्या थोड़ी कम प्रतिभा बेहतर नहीं हो सकती थी।

पीयू के छात्रों ने सी एस आई आर नेट परीक्षा में पाई सफलता

एक छात्र का बर्जर पेंट कंपनी में चयन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) संस्थान के रसायन विज्ञान विषय में डा प्रमोद कुमार के मार्गदर्शन में शोध कर रहे सतीश यादव और डा दिनेश कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में शोध कर रही मुस्कान साहू ने सीएसआईआर नेट की परीक्षा उत्तीर्ण किया है। ये छात्र राष्ट्रीय स्तर की गेट परीक्षा पहले ही पास कर चुके हैं। अब ये छात्र उच्च शिक्षा के शोध संस्थान/विश्वविद्यालय में शोध कार्य तथा शिक्षण कार्य के लिए योग्य है।

रसायन विज्ञान विभाग के एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र हर्ष प्रताप सिंह का चयन बर्जर पेंट कंपनी संडीला हरदोई उत्तर प्रदेश में हुआ। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो वंदना सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव, रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार ने कहा छात्रों की इस उपलब्धि से विभाग तथा विश्वविद्यालय के अन्य छात्र भी मोटिवेटेड होंगे।

विश्वविधालय के शिक्षक प्रो. देवराज सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह प्रो. गिरिधर मिश्रा, डा. अजीत सिंह, डा. नितेश जयसवाल, डा दिनेश कुमार वर्मा, डा. मिथिलेश यादव, डा काजल कुमार डे, डा संदीप कुमार वर्मा, डा सरवन कुमार, डा आशीष वर्मा, डा सुजीत कुमार चौरसिया डा दीपक कुमार मौर्य डा रामांशु प्रभाकर, डा पुनीत धवन डा शशिकांत यादव डा नीरज अवस्थी डा श्याम कन्हैया डा सौरभ कुमार सिंह समेत अन्य शिक्षको ने बधाई दी तथा खुशी जाहिर की।

इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के एक होटल में जेसीआई जौनपुर चेतना अध्यक्ष मीरा अग्रहरि के तत्वावधान में इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पायलट जेसी रविकांत जायसवाल जोन ट्रेनर द्वारा संस्था के लोगों को प्रभावी तरीके से अपनी बात लोगों के बीच रखने की कला के बारे में विस्तार से बताया गया। जोन ट्रेनर ने संवाद स्थापित करते समय विषय की जानकारी, उचित शब्दों के चयन, ध्वनि के उतार चढ़ाव, बोलते समय भाव भंगिमाओं की स्थिति, आई कंटैक्ट और बाडी लैंग्वेज की स्थिति के बारे में विस्तार से संस्था को लोगों को प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम में संस्था के लोगों ने क्विज गेम में विभिन्न विषयों पर अभिनय कर अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन कर लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। जेसीआई चेतना के पदाधिकारियों व कार्यक्रम संयोजक प्रतिमा गुप्ता व सदस्यों ने सामूहिक रुप से जोन ट्रेनर को स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया। इस मौके पर संस्था की पूर्व अध्यक्ष नीतू गुप्ता, चारू शर्मा, रीता कश्यप अभिलाषा श्रीवास्तव, वाइस प्रेसिडेंट संगीता सेठ, रागिनी, अंजू पाठक, अनीता सेठ ,शिवानी चौरसिया, पूजा श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन सचिव वंशिका सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक प्रतिमा गुप्ता ने किया।

कायस्थ कल्याण समिति ने शोक सभा कर दिया दिनेश श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कायस्थ कल्याण समिति जौनपुर द्वारा एक शोक सभा का आयोजन समिति के पूर्व अध्यक्ष डा० अशोक अस्थाना के आवास पर किया गया ! इसमें समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं विभिन्न क्लबों के पूर्व अध्यक्ष, समाजसेवी एवं जनपद के कायस्थ समाज के प्रहरी के रूप में सभी के सुख दुख में सम्मिलित होने वाले दिनेश श्रीवास्तव के असामयिक निधन पर समिति एवं कायस्थ समाज के गणमान्य लोगों ने अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किया । कार्यक्रम का संचालन करते हुये उपाध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव ने स्वर्गीय दिनेश से अपने पारिवारिक संबंधों का जिक्र करते हुये भरे गले से उनके सामाजिक कार्यों एवं कुशल व्यवहार के कई संस्मरण बताएं ! कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि मृत आत्मा को ईश्वर अपने श्री चरणों में स्थान दें और परिवार को इतना साहस दें कि वह अपने परिवार को संभाल सके। कायस्थ कल्याण समिति के संस्थापक इंजीनियर आर डी श्रीवास्तव ने भरे गले से अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किया । संरक्षक प्रदीप श्रीवास्तव डीओ ने भी अपने संबंधों का जिक्र करते हुए उनके कुशल व्यवहार के कई संस्मरण बताएं और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। संरक्षक प्रदीप श्रीवास्तव पप्पू जी ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सामाजिक कार्यो . एवं लोगों के दुख में भागीदारी के स्वभाव का उल्लेख करते हुए बताया हम लोग किसी भी समय दिनेश जी के यहां पहुंच जाएं वो बड़े ही प्रेम और आदर सत्कार से मिलते थे। संरक्षक डॉ अशोक अस्थाना कायस्थ महा सभा के राष्ट्रीय सचिव रवि श्रीवास्तव ने भी अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किया। अंत में सभी लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

करने वालों में डॉ रवि श्रीवास्तव , पंकज श्रीवास्तव हैप्पी, मनीष श्रीवास्तव , अमित अस्थाना , राजेश तिवारी ,आलोक रंजन सिन्हा , चंचल श्रीवास्तव ,चून्ना अस्थाना , भालेंद्र श्रीवास्तव , गिरिवर अस्थाना, जे पी श्रीवास्तव , श्रीवास्तव ,ज्ञानचंद श्रीवास्तव, गणतंत्र श्रीवास्तव , यूवा अध्यक्ष विनीत श्रीवास्तव , ऋषि श्रीवास्तव ,डॉ आनंद मोहन अस्थाना, कायस्थ कल्याण समिति के महासचिव विपनेश श्रीवास्तव, अध्यक्ष दयाल शरण ने भी अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किया। अंत में सभी लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

जर्जर अवस्था में पशु चिकित्सालय का भवन

भय के साए में कार्य को अंजाम देते है स्वास्थ्य कर्मी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सुइथाकला के ब्लाक मुख्यालय पर स्थिति पशु चिकित्सालय का भवन अत्यंत जर्जर हो गया है। कई बार वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देने के बाद भी भवन की मरम्मत की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया। जिससे यहां काम करने वाले डॉक्टर और अन्य स्टाफ हमेशा दहशत में रहते हैं। वहीं पशुओं के लिए दवा लेने आने वाले लोग भवन के बाहर ही खड़े रहते हैं। जर्जर भवन की हालत इतनी खस्ता है कि वह कभी भी गिरकर ध्वस्त हो सकता है।

ब्लाक मुख्यालय पर वर्ष 1960 में नया भवन बनाया गया था। रखरखाव के अभाव में यह भवन जर्जर अवस्था मे पहुँच गया है।दीवारों में दरारें पड़ गयी है और कमरे की छत का प्लास्टर टूट कर गिरते रहते है।अस्पताल पर तैनात फार्मासिस्ट अरविंद कुमार ने बताया कि भवन की हालत इतनी जर्जर है कि उस में बैठने से डर लगता है। अस्पताल कि छत का प्लास्टर टूट कर अक्सर गिरता रहता है।बारिश के मौसम में इसकी दशा बद से बदतर तब हो जाती है जब छत से पानी टपकने लगता है।कर्मियों के सामने कार्यालयी कागजातों के रख –रखाव की समस्या चरम पर हो जाती है। जिससे वह लोग दहशत में रहते हैं। इसके अलावा जानवरों के लिए दवा लेने आने वाले लोग डर की वजह से अस्पताल परिसर के अंदर नहीं आते हैं उन्हें बाहर खड़े होकर ही दवा देनी पड़ती है।कर्मचारियों के लिए बने आवास पूरी तरह ध्वस्त हो चुके हैं।

प्रभारी पशु चिकिसाधिकारी सुइथाकलां डॉ आलोक सिंह पालीवाल ने बताया कि जर्जर भवन की मरम्मत नही होने से हर वक्त स्टाफ को अपनी जान का खतरा बना रहता है। स्थानीय विधायक रमेश सिंह के प्रयास से उक्त भवन के निर्माण हेतु धन आवंटित भी हो गया है लेकिन कार्यदायीं संस्था द्वारा कार्य नही करवाया जा रहा है। दी गई लेकिन किसी ने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया।

प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर हाई अलर्ट पर प्रशासन, पुलिस ने किया डायवर्ट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वाराणसी सीमा से नजदीक फूलपुर कारखियाँव में स्थित अमूल्य डेयरी प्लांट का उद्घाटन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काशी दौरे के आगमन को लेकर जौनपुर की तरफ से आने वाली सभी छोटी बड़ी गाड़ियों को जलालपुर चौराहे पर पुलिस के द्वारा बैरियर लगा कर पूर्ण रूप से रोक दिया गया है।जिसकी बनारस की तरफ जाना है तो थाना गद्दी रोड पर मोड दिया जा रहा वहीं कुछ गाड़ियों को मडियाहु की तरफ मोड़ा जा रहा है सुबह 8 बजे से ही थानाअध्यक्ष जलालपुर राजेश यादव इंस्पेक्टर रमेश यादव समेत भारी संख्या में फोर्स लेकर के हाईवे को बैरियर लगा करके पूरी तरीके से रोक दिया गया है केवल रैली की गाड़ियों को छोड़ा जा रहा है जलालपुर चौराहे पर पुलिस पूरी तरह से हाई अलर्ट पर है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।बीएचयू जाने वाले मरीज तथा बाबतपुर एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी वाराणसी की तरफ जाने के लिए केवल रैली वाली गाड़ियों को छोड़ा जा रहा था। इस संबंध में पूछे जाने पर थानाध्यक्ष राजेश यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री के जाने के बाद ही डायवर्जन को समाप्त किया जाएगा गाड़ियों को सुचार रूप से वाराणसी की तरफ संचालित किए जाएं।

जिसकी फोटो लेकर ढूंढ रही मां उसकी दो दिन पूर्व मिली थी लाश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर तेजी बाजार थाना क्षेत्र के छतौली गांव निवासी शिवकुमार पाठक उम्र 35 साल पिछले 12 तारीख से लापता हो गए थे। 17 तारीख को उनकी गुमशुदी तेजी बाजार थाने में लिखी गई थी। गुमशुदी दर्ज कर पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। इसी बीच 21 तारीख को सिकरारा थाना क्षेत्र के दुदौली गांव नहर में एक युवक की लाश मिली थी। जिसको पुलिस ने पहचान के लिए मर्चरी हाउस में रखवाया था। मृतक की मां आरती देवी जब मर्करी हाउस गई तो उन्होंने अपने बेटे के लाश की पहचान की पहचान कर बेसुध होकर गिर पड़ी। पोस्टमार्टम होने के बाद लास्ट परिजन लेकर दाह संस्कार कर दिए हैं। मृतका की मां आरती देवी एक विधवा महिला है। अत्यंत निर्धन एवं गरीब परिवार हैं। मजदूरी करके शिवकुमार पाठक किसी प्रकार परिवार चलाता था। शिवकुमार के मृत्यु के बाद मां का रोकर बुरा बुरा हाल है पत्नी दिव्यांग रंजना बेसुध है। कुछ बताने की स्थिति में नहीं है। मां ने आरोप लगाया है कि गांव के दो लोग युवा साथ लेकर गए थे, फिर से बेटा वापस नहीं आया। दो लोगों के खिलाफ नाम से तहरीर दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने बताया कि गुमशुदा युवक की लाश नहर में मिली थी। मृतक की मां ने पहचान किया है। तहरीर मिली है जांच करके उचित कार्रवाई की जाएगी।

आमने–सामने टकराएं दो बाइक सवार, तीन घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना अंतर्गत प्रसाद तिराहे पर गुरुवार की देर रात हुई एक घटना में दो बाइक सवार आमने–सामने टकरा गए। जिससे दोनों बाइकों पर सवार तीन लोग घायल हो गए। तीनो घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया गया। गुरुवार की देर रात लगभग 10:30 बजेगौरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के धर्मापुर गांव निवासी चंद्रशेखर अपनी बाइक पर कल्लू प्रजापति को बैठाकर जौनपुर से धर्मापुर के तरफ आ रहा था। जैसे ही वह प्रसाद तिराहे के पास पहुंचा तभी विपरीत दिशा से आ रही है एक बाइक सवार से आमने–सामने टक्कर हो गई। इस टक्कर में दोनों बाइक सवार दूर सड़क पर जाकर गिर गए। घटना के फलस्वरूप बाइक सवार चंद्रशेखर (35) कल्लू प्रजापति (30) निवासी धर्मापुर थाना गौराबादशाहपुर एवं विवेक कुमार (34) निवासी मातापुर थाना लाइन बाजार गंभीर रूप से घायल हो गया। वही चंद्रशेखर के सिर में तथा विवेक कुमार के पैर में काफी चोट आई है। स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस से तीनों घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। घटना में दोनों बाइक भी काफी क्षतिग्रस्त हो गई थी। पुलिस भी मौके पर पहुच गयी थी। थाना प्रभारी गौराबादशाहपुर चंदन कुमार राय ने बताया कि तीनों घायलों को उपचार हेतु जिला अस्पताल भिजवाया गया।

सवारी बैठाने को लेकर दो आटो चालकों में चले लाठी डंडे, दो घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कुंडी गांव में गांव से ही सवारी भरने को लेकर शुक्रवार को सुबह लगभग नौ बजे दो ऑटो चालकों में मारपीट हो गई। और इस मारपीट में दोनों ऑटो चालक घायल हो गए। मारपीट की सूचना पर मौके पर पुलिस भी पहुंच गई।गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कुंडी गांव के गिरजा एवं राजकुमार दोनों ऑटो चालक हैं। आरोप है कि गिरजा गांव से ही कुछ सवारी अपने ऑटो पर बैठा रहा था तभी राजकुमार भी आ गया और वह गुस्से में गाली गलौज देने लगा। गाली– गलौच देते ही दोनों में मौके पर ही मारपीट हो गई। इस मारपीट में ऑटो चालक गिरजा (40) व राज कुमार (35) घायल हो गए। एक पक्ष की सूचना पर मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने दोनों को डांट फटकार कर शांत कराया तथा उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। संदर्भ में पूछे जाने पर थाना प्रभारी गौराबाद शाहपुर चंदन कुमार राय ने बताया कि मामले की जानकारी अभी उन्हें नहीं मिली है। फिर भी यदि तहरीर प्राप्त होती है तो इस मामले को जांच करके आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस परीक्षा निरस्त करने की मांग को लेकर सड़क पर उतरे प्रतियोगी ,पुलिस ने रोका हुई नोंक–झोंक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मुंगराबादशाहपुर। उत्तर प्रदेश आरक्षी भर्ती परीक्षा को निरस्त करने की मांग को लेकर शुक्रवार को बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्र छात्राओं ने नगर में जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि प्रश्न पत्र लीक होने के साथ ही परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली की गई है, जिससे हम सभी के मेहनत पर पानी फिर गया है। जुलूस के दौरान प्रतियोगी छात्रों से पुलिस की जमकर नोंक झोंक भी हुई शुक्रवार को दोपहर एक बजे सैकड़ो की संख्या में सिपाही भर्ती परीक्षा देने वाले छात्र–छात्राओं हाथ में तख्तियां लेकर परीक्षा निरस्त करने की मांग को लेकर सड़क पर उतर गए। इस दौरान ने अभ्यर्थियों ने कहा कि या छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है उनके सपनों और मेहनत पर पानी फिर गया है। परीक्षा पारदर्शी ना होने के कारण छात्र गुस्से में हैं भविष्य अंधकारमय हो गया है। जैसे ही जुलूस जंघई रोड से होते हुए मछली शहर रोड पहुंची तो थाना प्रभारी संजय वर्मा मय फोर्स के साथ पहुंचकर जुलूस को रोक दिया। जिससे पुलिस और प्रतियोगी छात्रों में जमकर नोक झोंक हुई। जुलूस में संदीप, सुनील, सुरेन्द्र, कन्हैया पटेल,पंकज वर्मा, आशीष यादव,कविता, प्रिया, श्रुति, रंजना, नेहा, श्वेता, भावना, रिंकी, रागिनी, राधिका, सुमन, काजल, आंचल, मिथिलेश, विवेक, शुभम, अभिषेक, रोहित, अंकित ,कृष्णा अनुराग, मोहिनी, रंजन व प्रतीक्षा आदि शामिल रहे। प्रतियोगी छात्रों ने सरकार से चेतावनी देते मांग किया कि सरकार इसकी जांच कारण और पुनः परीक्षा कराई जाए।यदि परीक्षा निरस्त नहीं की गई तो हम लोग बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिसकी समस्त जिम्मेदारी सरकार की होगी।

आगामी त्यौहार को लेकर पाली थाने में हुई शांति समिति की बैठक

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'
'पाली–(हरदोई)' आगामी त्यौहार महा शिवरात्रि ,होली,शबे बरात, रमजान के मद्देनजर शुक्रवार को पाली थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय की अध्यक्षता में शांति कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्र के ग्राम प्रधान समेत नगर के हिन्दू व मुस्लिम समुदाय के गणमान्य लोगों से महा शिवरात्रि, शबे बरात,होलिका दहन स्थल समेत हर प्रकार की छोटी बड़ी समस्या को बिंदुवार जानकारी लेते हुए आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण आपसी सौहार्द भाई चारे से त्यौहार मनाने की अपील की गई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आगामी त्यौहारों में किसी प्रकार कोई खलल नहीं होना चाहिए कहीं भी किसी प्रकार के अराजक तत्व कोई गड़बड़ी करने का प्रयास करें उसकी तत्काल सूचना डायल 112 या थाने पर मुहैया करायें। जो भी व्यक्ति आगामी त्योहारों में खलल डालने का प्रयास करेगा उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। पहले ही ऐसे लोगों को चिन्हित कर लिया जायेगा। साथ ही उन्होंने सभी गणमान्य लोगों से कैमरे लगवाने की भी अपील की। इस अवसर पर नगर व क्षेत्र समेत काफी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी केंद्र का हाल देख चौंक गई सीडीपीओ, नोटिस जारी

सुल्तानपुर। सीडीपीओ के औचक निरीक्षण में आंगनबाड़ी कार्यकत्री की पोल खुल गई।आंगनवाड़ी कार्यकत्री अनुपस्थित मिली,तो केंद्र पर कोई अभिलेख नहीं दिखा सका। आंगनबाड़ी केंद्र बंद मिला ये हाल देख सीडीपीओ हैरान रह गईं।सीडीपीओ ने कार्यकत्री को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विकास खंड बल्दीराय बाल विकास परियोजना अधिकारी राजवती ने इसौली आंगनबाड़ी केंद्र मिनी दरगाह का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुशीला देवी अनुपस्थित मिली। जबकि आंगनवाड़ी केंद्र पर आंगनवाड़ी कार्यकत्री व सहायिका को प्रतिदिन उपस्थित रहना अनिवार्य है।बल्दीराय विकास खंड क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्रों पर अनियमितताएं कम होने का नाम नहीं ले रहीं।आंगनवाड़ी कार्यकत्री व सहायिका अपनी मनमानी करती हैं। जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ बच्चों व गर्भवती महिलाओं को नहीं मिल पा रहा है। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी राजवती सिंह बृहस्पतिवार को आंगनबाड़ी केंद्र इसौली मिनी दरगाह का निरीक्षण करने के लिए पहुंची। जहां पर आंगनवाड़ी केंद्र बंद पाया गया।प्राथमिक विद्यालय के टीचर ने बताया कि प्राइमरी विद्यालय में प्रे स्कूल में कार्यकत्री महीनों से नहीं आ रही है।जिससे बच्चे इधर–उधर भटक रहे हैं।सीडीपीओ प्रभारी बल्दीराय ने बताया कि पोषण ट्रैकर एप,डैशबोर्ड का अवलोकन किया गया।जिसमें पोषण ट्रैकर पर लाभार्थी का आधार वजन लम्बाई–ऊंचाई ,ग्रह भ्रमण,ड्राई राशन, वितरण फीड नही किया गया। जबकि विभाग द्वारा नियमित रूप से पीएफएमएस के माध्यम से मानदेय का भुगतान किया जा रहा है।कार्यकत्री द्वारा विभागीय निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। मनमाने ढंग से कार्य किया जा रहा है।आंगनवाड़ी कार्यकत्री उक्त दिवस का मानदेय काटते हुए अग्रिम आदेशों तक मानदेय रोक दिया गया। एवं कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह के अंदर स्पष्टीकरण के लिए नोटिस जारी किया गया है।

पुलिस ने किया तीन लुटेरों को गिरफ्तार , सात लाख चालीस हजार रूपये एवं दो चार पहिया , अवैध असलहा बरामद

सुल्तानपुर– गुरुवार शाम कोतवाली नगर पुलिस ने कन्नौज–फर्रुखाबाद व हरदोई जिले के तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लूट के 7 लाख 40 हजार रुपए,दो चार पहिया वाहन और अवैध असलहा बरामद हुआ है। पकड़े गए लुटेरों द्वारा जिले में दो और अमेठी जिले में लूट की एक घटना कारित की गई थी। तीनों का लंबा चौड़ा आपराधिक इतिहास है।सीओ सिटी शिवम मिश्रा ने बताया कि 6 फरवरी को कोतवाली नगर के पयागीपुर में बकरा व्यवसाई मुन्नवर को कार सवार बदमाश बंधक बनाकर उठा ले गए थे। बदमाश उनसे 12 लाख रुपए लूटा और लखनऊ–वाराणसी राजमार्ग पर बंथुआकला क्षेत्र में उतारकर फरार हो गए थे। कोतवाली पुलिस ने कुंदन उर्फ करिया उर्फ अजय गिहार पुत्र सूबेदार निवासी बहवलपुर थाना छिबरामऊ जनपद कन्नौज,करन पुत्र वत्से उर्फ मुन्ना निवासी मोहल्ला ठाकुरगंज नटपुरवा पचतैना कस्वा बालामऊ थाना कछौना जनपद हरदोई और रीतेश कुमार भारद्वाज उर्फ सचिन पुत्र रामसेवक भरद्वाज निवासी मोहल्ला दलबीर खां थाना समशाबाद जनपद फतेहगढ फर्रुखाबाद को गिरफ्तार किया है।

विधायक के प्रस्ताव पर बनेंगे विधानसभा क्षेत्र के संपर्क मार्ग'

सुल्तानपुर। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने इसौली विधानसभा क्षेत्र में एक करोड़ अड़तीस लाख पचास हजार रुपये की लागत से बनने वाली तीन सड़कों की सौगात दी है। इसौली विधायक मोहम्मद ताहिर खान ने सड़कों के निर्माण की स्वीकृति पर मुख्यमंत्री और लोक निर्माण मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।सड़कों की जरूरत आभास करने के बाद क्षेत्रीय लोगो ने विधायक मोहम्मद ताहिर खान से उक्त सड़कों के निर्माण कराए जाने की मांग की थी। जनता की मांग को गंभीरता से लेते हुए विधायक ने इसौली विधानसभा क्षेत्र के भवानीपुर–चंदौर संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य,बहेरी का पूरवा पंडरे संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य व लाला का पुरवा सोनबरसा सम्पर्क का निर्माण कार्य कराये जाने के लिए प्रस्ताव प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद को दिया था। लोक निर्माण मंत्री ने विधायक के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान करते हुए सड़क निर्माण कराए जाने के लिए हरी झंडी दे दी है।

भीषण सड़क हादसा हुआ

सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर माइल स्टोन 123 पर कूरेभार थाना क्षेत्र अंतर्गत सेउर गांव के समीप भीषण सड़क हादसा। लखनऊ से बिहार की तरफ जा रही कार हुई क्षतिग्रस्त।3 लोगों के मौत की सूचना,एक घायल को भेजा गया चिकिसालय। राहत व बचाव कार्य जारी,यूपीडा कर्मी व कूरेभार पुलिस मौके पर। डीएम कृतिका ज्योत्सना ने हर संभव मदद का दिया स्थानीय प्रशासन को निर्देश।

संक्षिप्त खबरें

दो करोड़ से होगा हसनगंज ब्लाक क्षेत्र का विकास

उन्नाव, संवाददाता। ब्लॉक क्षेत्र में दो करोड़ से विकास कार्य कराए जाएंगे। इससे संबंधित प्रस्तावों पर क्षेत्र पंचायत की बैठक में मुहर लग गई। हसनगंज ब्लॉक सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक प्रमुख मीरा यादव की अध्यक्षता में हुई। सदस्यों ने आवास, शौचालय, साफ सफाई, खाद्यान्न, बिजली व तालाब आवंटन के मुद्दे उठाए। वहीं नाली, खड़ंजा, इंटरलॉकिंग आदि निर्माण के दो करोड़ के 77 प्रस्ताव रखे गए। सभी सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। प्रधान मटारिया दिलीप राजपूत व अभिषेक गौतम ने तालाब आवंटन की 75 फीसदी धनराशि ग्राम पंचायत निधि में देने की मांग रखी। पूर्व ब्लॉक प्रमुख धीरेंद्र ब्रह्मचारी ने बैठक में आरोप लगाया कि पंचायतीराज विभाग में 50 हजार रुपये लेकर ग्राम पंचायत विकास अधिकारी की पोस्टिंग की जाती है।

नाले में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

बांदा, संवाददाता। शहर कोतवाली क्षेत्र के बांदा–चिल्ला मार्ग पर बिजली सब स्टेशन व रामा देवी पब्लिक स्कूल के सामने खुले नाले में युवक का शव मिला। पुलिस प्रथम दृष्टया नशे की हालत में नाले में गिरने की आशंका जताई है। हालांकि स्थानीय लोगों ने हत्या की आशंका जता रहे हैं। बुधवार को दोपहर स्थानीय लोगों ने नाले में शव उतराता देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचें सीओ गवेंद्र पाल गौतम व सिविल लाइन चौकी इंचार्ज परवेज अहमद ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। शव से दुर्गंध आ रही थी। शव 48 घंटे पुराना प्रतीत हो रहा था। शव के पास 110 रुपये व अंगूर मिला है। सिर में चोट के निशान हैं। प्रथम दृष्टया नशे की हालत में नाले में गिरकर मौत होना प्रतीत हो रही है। शव की शिनाख्त न होने पर उसे मोर्चरी में रखाया गया है। 48 घंटे बाद पोस्टमार्टम कराने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

हुक्का बार प्रकरण में चौकी प्रभारी लाइन हाजिर

सहारनपुर, संवाददाता। हुक्का बार प्रकरण में चंद्र नगर चौकी प्रभारी पर गाज गिर गई। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया गया। दरअसल, हुक्का बार को बंद कराने के लिए पुलिस कई बार अभियान चला चुकी है। इसके बाद भी हुक्का बार चोरी छिपे संचालित हो रहे हैं। कुछ दिन पहले कोर्ट रोड स्थित एक प्लाजा में हुक्का बार चलने की कुछ लोगों ने एसएसपी को शिकायत की थी। इस मामले की जांच एसएसपी ने कराई। इसमें चंद्र नगर चौकी प्रभारी जगपाल की भूमिका संदिग्ध मिली। जिस पर एसएसपी डॉ. विपिन ताड़ा ने चौकी प्रभारी को पुलिस लाइन भेज दिया। अभी तक चंद्र नगर चौकी का चार्ज किसी को नहीं दिया गया है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल बोलीं– समाज में अच्छे नागरिक तैयार करते हैं शिक्षक

सहारनपुर, संवाददाता। सहारनपुर में जनमंच सभागार में मां शाकंभरी विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने 49 छात्र–छात्राओं को उपाधि वितरित की। उपाधि पाकर छात्र–छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। गुरुवार को दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने 49 विद्यार्थियों को उपाधियां दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी उपाधियों को डिजी लॉकर में समावेश कर दिया गया है। डिजी लॉकर में उपाधियां रखने से जहां विद्यार्थियों को सुविधा होती है तो वहीं धोखाधड़ी से भी बचा जा सकता है। उन्होंने उपाधि प्राप्त छात्र–छात्राओं के अभिभावकों को को बधाई दी। इसके साथ ही शिक्षकों को भी बधाई के पात्र बताया। कहा कि एक शिक्षक अपने अथक प्रयासों से समाज के लिए अच्छे नागरिक तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आयकर विभाग ने बर्तन-कपड़े के गोदाम में की छापेमारी

शामली, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के शामली में आयकर विभाग की टीम ने सलेक विहार में कपड़े और बर्तन के गोदाम में छापामारी की। इस दौरान अन्य व्यापारियों में भी खलबली मची रही। जानकारी के अनुसार आयकर विभाग की टीम गुरवार को शामली के सलेक विहार मोहल्ले में पहुंचे। यहां पर व्यापारी जहूर के यहां माल गोदाम में छापामारी की। गोदाम में बर्तन से लेकर कपड़े और अन्य सामान भरा हुआ था। टीम के एक पदाधिकारी ने बताया कि अभी व्यापारी फरार है। जांच की जा रही है। जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। आयकर विभाग की टीम पूर्व में भी यहां छापामारी कर चुकी है।

वाहनों की आमने–सामने भिड़ंत में सगे भाइयों की मौत

कासगंज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के कासगंज में बृहस्पतिवार की दोपहर भीषण हादसा हो गया। वाहनों की आमने–सामने भिड़ंत में दो भाइयों की मौत हो गई। वहीं तीसरा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा देख आसपास के लोग भागकर पहुंचे। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। यहां उसकी हालत नाजुत बनी हुई है। खबर मिली तो घरवाले और गांव के लोग पहुंच गए। परिजन का रो–रोकर बुरा हाल है। सीएमची पर एकत्र भीड़ को पुलिस समझाने में जुटी है। हादसा सिढ़पुरा थाना क्षेत्र के फतेहपुर इंटर कॉलेज के सामने हुआ। यहां पेपर छूटने के बाद छात्र बाइक से घर जाने के लिए निकले थे। इसी समय सामने से आए वाहन से भिड़ंत हो गई। हाजसे में भैंसरासी निवासी सगे भाइयों सचिन और राजन की मौत हो गई। जबकि कलानी निवासी सुमंत कुमार की हालत नाजुक है।

पत्नी के साथ निकले युवक का शव फंदे से लटका मिला

बाराबंकी, संवाददाता। सतरिख थाना क्षेत्र में पत्नी के मायके जाने की बात से आहत युवक पत्नी को साथ लेकर घर से निकला। जमकर शराब पी। पत्नी के ही अनुसार इस दौरान जब वह शौच के बाद वापस लौटी तो जंगल में एक पेड़ में फंदे से युवक का शव लटक रहा था। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के इंतजार में है। सतरिख थाना क्षेत्र के दियानतनगर गांव निवासी शिवा रावत (28) ने पहली पत्नी से संबंध विच्छेद के बाद बीते जनवरी माह में ही लखनऊ की युवती चांदनी से मंदिर में विवाह किया था।

माघ पूर्णिमा संत श्रीपाल की पुण्यतिथि पर विशेष

आध्यात्मिक जगत के उच्च प्रतिमान ब्रह्मलीन संत श्रीपाल का जीवन हम सभी के लिए उच्च आदर्श है

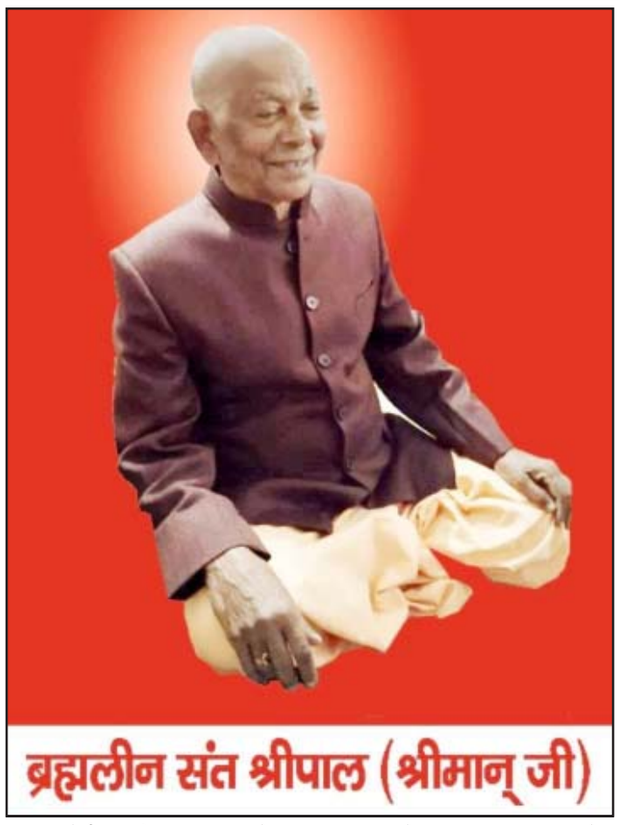

ब्रह्मलीन संत श्रीपाल (श्रीमान् जी)

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)

संत श्रीपाल ने अपने विलक्षण व्यक्तित्व और कृतित्व से सम्पूर्ण समाज को ध्यान और भजन से जोड़ा। संत श्रीपाल (1942–2021) धर्म अध्यात्म के चिन्तक तथा शिव सत्संग मण्डल आश्रम के संस्थापक थे। साधकों एवं सत्संगी जनों ने बताया कि 30 जून 1942 को उनका जन्म ग्राम हड़हा मलिकापुर में हुआ था। उनके बचपन का नाम सेठ था। आरंभ से ही धर्म अध्यात्म में रुचि होने के कारण, उन्होंने वेदों, शास्त्रों और उपनिषदों के प्रचार के लिए उत्तर प्रदेश के जनपद हरदोई के राजस्व ग्राम हुसेनापुर धौकल में सन 1993 में शिव सत्संग मण्डल आश्रम की स्थापना की। उनका प्रभाव हम इक्कीसवीं सदी में भी महसूस कर रहे हैं और उनसे प्रेरणा पाकर उन सामाजिक कुरीतियों, ध ार्मिक, अंधविश्वासों से लोहा ले रहे हैं जो दीमक बनकर समाज व धर्म को भीतर ही भीतर खोखला कर रहे हैं। सामाजिक, धार्मिक, शैक्षिक, आर्थिक, राजनीतिक, दार्शनिक और आध्यात्मिक जगत की व्याधियों, दुर्बलताओं और त्रुटियों का अध्ययन उन्होंने किया। संत श्रीपाल का चिंतन मूलतः वेद,उपनिषद एवं शास्त्रों पर आधारित था, जो अपने उद्भव काल से ही चिरंतन और शाश्वत समझे जाते रहे हैं। जीवन के सत्य, सत्संग,सुमिरन व परमात्मा को पाने के लक्ष्य को संत एवं सत्संग परंपरा से ही पाया जा सकता है।संत श्रीपाल का जीवन दर्शन हर मानव को दिशा–बोध प्रदान करता रहेगा और वह प्रासंगिक बने रहेंगे।यह ठीक है कि समकालीन समस्याओं से भी उन्हें संघर्ष करना पड़ा। वह मानवतावादी, धर्म संस्कृति के उद्गाता, शांति के नायक, सांप्रदायिक, सद्भावना के उन्नायक, और अन्याय, अज्ञान, अभाव और शोषण के विरुद्ध संघर्षरत रहने वाले योद्धा सन्यासी थे। ध्यान दें तो हमें पता चलता है कि उनका संघर्ष समाज में व्याप्त अंधविश्वासों एवं सामाजिक कुरीतियां से था।ईश्वर एक है,यह पूरा विश्व मानता है। परंतु समय समय पर जीवन में आने जाने वाले उतार चढ़ाव से सामान्य जन प्रभावित होते रहे हैं।इन्हीं कारणों से चतुर लोगों ने अनेक पूजा पद्धतियों की मन गढंत रचना रच दी। संत श्रीपाल का स्पष्ट मानना था कि शिवत्व की प्राप्ति से ही अमरत्व की प्राप्ति की जा सकती है। शिवोपासना से मुक्ति और मोक्ष पाया जा सकता है। वह स्वामी दयानंद द्वारा रचित 'सत्यार्थ प्रकाश' से बहुत प्रभावित थे। इसीलिए सत्संगी जनों को हर घर तक सत्यार्थ प्रकाश ष पहुंचाने की सलाह देते थे। सत्यार्थप्रकाश ने अंधविश्वास, कुरीतियों, मूर्तिपूजा, अवतारवाद, बहुदेववाद, अंध श्रद्धा, तीर्थाटन पर जो जमकर प्रहार किया। उन्होंने अपनी परंपरा ,धार्मिक आदर्शों के प्रति आस्था और संस्कृति के प्रति विश्वास जगाया।साथ ही शाकाहार का पक्ष मजबूत करते हुए शाकाहार को जीवन का आधार बताया। जीव हत्या को महापाप बताते हुए, मांस मदिरा सेवन को प्रतिबंधित किया। उन्होंने भारतीय जीवन मूल्यों के प्रति सत्संगी जनों को, राष्ट्र की मिट्टी की परंपरा व भारतीय संस्कृति से जोड़कर उन्हें भारतीय आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़कर सशक्त किया।उनके द्वारा श्याम पट लगाकर सत्संग करने की उत्कृष्ट परम्परा आज भी सुदूर क्षेत्रों में प्रचलित है। माघ पूर्णिमा वर्ष 2021 को वह अंतर्ध्यान हो गए। वह कहते थे कि आत्म ज्ञान,ज्ञान बाकी सब अज्ञान। इसलिए आत्म चिन्तन कर आत्मनिष्ठ,एक निष्ठ बनें।इस अनमोल जीवन का समग्र कल्याण परमेश्वर से अपनी जीवन धारा को जोड़कर ही किया जा सकता है। शांतिमय, खुशहाल जीवन के लिए ध्यान और भजन इस आध्यात्मिक चेतना के मूल स्रोत हैं। आध्यात्मिक जगत् के उच्च प्रतिमान, सनातन संस्कृति एवं संस्कारों के सबल संपोषक, आर्ष विद्या के प्रबल उन्नायक ब्रह्मलीन संत श्रीपाल का सम्पूर्ण जीवन हम सभी के लिए एक उच्च आदर्श है। उन्होंने अपनी आध्यात्मिक आभा से समाज एवं राष्ट्र निर्माण के स्वर को ऊँचाई प्रदान की। भारत की आध्यात्मिक संवेदनाओं की अभिरक्षा के अतिरिक्त राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता एवं समन्वयवादी पूज्य संत का दिव्य चरित्र, विलक्षण दार्शनिकता और आचरण की अनुपम प्रेरक पारदर्शिता सम्पूर्ण समाज के लिए सत्प्रेरणा सिद्ध हुई है। सुप्रसिद्ध "शिव सत्संग मण्डल आश्रम" के संस्थापक ब्रह्मलीन सन्त श्रीपाल जी महाराज की 83 वीं पुण्यतिथि पर उनकी मोक्षदा–अनुग्रहशील चिन्मय दिव्य–सत्ता को सादर प्रणामाञ्जलि।

शहीद की पत्नी को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की गई

उन्नाव, संवाददाता। ब्लॉक हिलौली की ग्राम पंचायत गुलरिहा के मजरे ककरारीखेड़ा निवासी शहीद श्याम सिंह यादव की पत्नी को प्रदेश सरकार ने सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। पत्नी विनीता ने नौकरी से संबंधित अभी तक किसी प्रकार का पत्र न मिलने की बात कही है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि शहीद की पत्नी को नौकरी के लिए प्रस्ताव पहले ही भेजा गया था। अभी आदेश पत्र नहीं मिला है। गांव ककरारीखेड़ा निवासी किसान सुंदर लाल यादव के इकलौते बेटे श्याम सिंह यादव भारतीय सेना में सात जुलाई 2011 को लांस नायक के पद पर तैनात हुए थे। 23 दिसंबर 2022 सेना के वाहन से 20 सैनिकों के साथ बार्डर में जा रहे थे। तभी सिक्किम राज्य की सिलीगुड़ी के पास सैनिक वाहन एक गहरी खाई में गिर गया था। हादसे में सेना के 16 जवान शहीद हो गए थे। इसमें श्याम सिंह यादव भी शामिल थे। योगी सरकार ने परिवार के भरण पोषण के लिए शहीद की पत्नी विनीता यादव को नौकरी देने का वादा किया था। मंगलवार को शासन की ओर से नौकरी देने की जानकारी दी गई। पिता ने बताया कि शहीद स्मारक स्थल व खेल मैदान और सड़क का नामकरण करने की घोषणा हुई थी।

151 केंद्रों पर शुरू हुई परीक्षाएं, सीसीटीवी कंट्रोल रूम और छह सचल दल कर रहे मानिटरिंग

अलीगढ़, संवाददाता। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। परीक्षाएं 22 फरवरी से लेकर 9 मार्च तक चलेंगी। अलीगढ़ में 151 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिन पर सीसीटीवी कंट्रोल रूम से निगाह रखी जा रही है। नकल रोकेन के लिए छह सचल दलों का भी गठन किया गया है। यूपी बोर्ड परीक्षाओं के पहले दिन सुबह की पहली पाली में हाईस्कूल का हिंदी और प्रारम्भिक हिंदी व इंटर में सैन्य विज्ञान की परीक्षा हुई। दोपहर की दूसरी पाली में इंटर का हिंदी, सामान्य हिंदी और हाईस्कूल की वाणिज्य की परीक्षा शुरू हो गई है। परीक्षाओं के पहले दिन अलीगढ़ के डीएम विशाख जी ने नौरंगीलाल इंटर कॉलेज में संचालित सीसीटीवी कंट्रोल रूम एवं बोर्ड परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया।

परीक्षा केंद्र निरीक्षण

जिले में 151 परीक्षा केंद्र बनाए गये हैं। हाईस्कूल में 54570 विद्यार्थी हैं, जिसमें छात्र 31480 व 23070 छात्राएं शामिल हैं। इंटर में 51770 परीक्षार्थी बैठेंगे, जिसमें 32747 छात्र व 19004 छात्राएं हैं। इस तरह से पूरे जिले में 1 लाख 6 हजार 340 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। डीएम विशाख जी ने बताया कि कंट्रोल रूम से सभी परीक्षा केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है। परीक्षा केंद्र के प्रत्येक कक्ष की गतिविधियों को कंट्रोल रूम में देखा जा सकता है। जिले को 21 सेक्टर में बांटा गया है, जहां तैनात सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टैटिक मजिस्ट्रेट्स, जोनल मजिस्ट्रेट निरीक्षण कर रहे हैं। नकल रोकने के लिए छह सचल दलों का गठन किया गया है।

खंभे से टकराकर कालीन से भरे ट्रक में लगी आग, चालक–क्लीनर ने कूदकर बचाई जान

मुजफ्फरनगर, संवाददाता। शामली के मोहल्ला धीमानपुरा में देर रात कालीन से भरा ट्रक विद्युत खंभे से टकरा गया। तारों से निकली चिंगारी से ट्रक में आग लग गई। चालक व क्लीनर ने कूदकर जान बचाई। आग लगने से आसपास के लोगों में अफरा तफरी मच गई। दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर ट्रक में लगी आग को बुझाया। बुधवार देर रात पानीपत से कालीन लेकर ट्रक मुजफ्फरनगर की तरफ जा रहा था। जब ट्रक शामली शहर में धीमानपुरा भिक्की मोड़ के निकट पहुंचा तो अचानक असंतुलित हो गया और विद्युत खंभे से टकरा गया। टक्कर लगने से जोर के धमाके की आवाज हुई और आसपास के लोग जाग गए। टक्कर लगने के बाद विद्युत लाइन के तारों से निकली चिंगारी से ट्रक में लदे कालीन में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर दिया। आग लगने से आसपास रहने वाले लोगों में अफरा तफरी मची रही। चालक व क्लीनर ने ट्रक से कूदकर जान बचाई। आसपास के लोगों ने तत्काल ट्रक में आग लगने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद ट्रक को क्रेन की मदद से मौके से हटवाया गया। आग लगने से ट्रक में लदा लाखों रुपये का कालीन जल गया। इस दौरान टक्कर लगने से एक दुकान में भी नुकसान होना बताया गया है।

रेलवे फाटक बंद करने पर लोगों में रोष, बढ़ता जा रहा विरोध, ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

हाथरस, संवाददाता। हाथरस के मुरसान में मथुरा–कासगंज रेल खंड पर कस्बा मुरसान की रेलवे क्रासिंग संख्या 324सी को बंद किए जाने का मामले में अब जिला प्रशासन सीधे तौर पर शामिल हो गया है। प्रशासन की ओर से इस रेलवे फाटक को बंद किए जाने का सीधे तौर पर अनुमति नहीं दी जा रही। 21 फरवरी को मुआयना करने पहुंची एसडीएम सदर लवगीत कौर ने आम लोगों समस्याएं सुनीं। मुरसान की रेलवे फाटक संख्या 324सी को बंद किए जाने का विरोध बढ़ता जा रहा है। 21 फरवरी सुबह क्षेत्रीय लोग जिलाधिकारी से मिलने पहुंचे। इसके बाद एसडीएम सदर मौके पर पहुंची। यहां फाटक का मुआयना किया। स्थानीय लोगों, व्यापारियों, राहगीरों आदि के बीच बैठक कर समस्या को सुना। लोगों का कहना था कि रेलवे फाटक बंद होने से सड़क यातायात काफी प्रभावित होगा। आम जनता को दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। नगर पंचायत अध्यक्ष देशराज सिंह ने एसडीएम को डीएम के नाम ज्ञापन भी सौंपा। उन्होंने कहा, समपार संख्या 323 पर तीन इण्टर कॉलेज, दो हाईस्कूल व 05 जूनियर हाईस्कूल व एक डिग्री कॉलेज है। सब्जी मंडी, सामदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एंबुलेंस का आने व जाने का रास्ता भी है। इसके आलावा सादाबाद तहसील के लिये आवागन का भी इसी फाटक पर प्रभाव पड़ता है। फाटक संख्या 324 सी को बंद किया जाता है तो इसका भी भार रेलवे फाटक संख्या 323 पर आ जायेगा, जिससे यातायात और अधिक प्रभावित होगा। ज्ञापन देते वक्त जिला पंचायत सदस्य गरुड़ध्वज सिंह, हंबीर सिंह, प्रवीण पौनिया, रामवीर सिंह पोनियां, नीरज सिंह, विष्णु कुमार, पूरन सिंह, हेमंत चौधरी, वीरेंद्र सिंह, बद्री प्रसाद, मनोज चौधरी थे।

मुरसान की रेलवे फाटक संख्या 324 सी पर दर्ज टीवीयू

बड़ी संख्या में वाहन होंगे प्रभावित

कस्बा मुरसान के रेलवे फाटक बंद करने का विरोध आंकड़ों के अनुसार भी बड़ी समस्या बन सकता है। तो रेलवे क्रासिंग का प्रयोग रोज 36,390 वाहन चालक करते हैं। 2022 में किए गए सर्वे में स्पष्ट है कि यहां की (टीयूवी) टोटल व्हीकल यूनिट 36,390 है। रेलवे की ओर से हर एक रेलवे फाटक पर तीन साल में एक सर्वे कराया जाता है। ये सर्वे लगातार तीन दिन चलता है। जिसमें हर रोज 24 घंटे में निकलने वाले वाहनों की गणना की जाती है। रेलवे नियमों के अनुसार 3000 से अधिक टीवीयू वाले फाटक को बंद नहीं किया जा सकता।

10 किलो चरस के साथ दो आरोपी गिरफ्तार हुए

शामली, संवाददाता। शामली में कैराना पुलिस ने एक कार से 10 किलो चरस बरामद की है। इस दौरान पुलिस ने मौके से दो ड्रग्स तस्करों को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करके चालान कर दिया है। बताया गया कि बुधवार की देर रात पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शामली रोड पर बाईपास फ्लाईओवर के पास एक कार के अंदर से 10 किलो चरस बरामद की। दोनों आरोपी यह चरस पानीपत देने जा रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने शामली रोड पर बाइपास फ्लाईओवर के पास से मायापुर जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी की। इस दौरान शामली की ओर से आ रही एक कार को रुकने का इशारा किया तो चालक ने गति बढ़ा ली। पुलिस ने पीछा करते हुए कार को कब्जे में ले लिया। तलाशी के दौरान कार के अंदर से 10 किलो चरस बरामद हुई। पुलिस ने चरस तस्करी के आरोपी गुफरान निवासी मोहल्ला कैराना व वाहिद निवासी करमूखेडी कोतवाली शामली को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली प्रभारी विरेंद्र सिंह कसाना ने बताया कि चरस तस्करी के आरोप में गुफरान व वाहिद को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी रात में हरियाणा में चरस सप्लाई करने जा रहे थे। दोनों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करके चालान कर दिया।

70 गांवों की 1000 बीघा फसल बर्बाद

बांदा, संवाददाता। बुंदेलखंड में एक बार फिर आफत की बारिश हुई। इस बारिश और ओलों ने किसी किसान के अरमान धो दिए तो किसी के सपने चकनाचूर कर दिए। खेतों पर फसलें बिछ गई तो कच्चे घरों के खपरैल भी ओलों के चलते क्षतिग्रस्त हो गए। अभी करीब 10 दिन पहले हुई ओलावृष्टि के जख्म भरे भी नहीं थे कि कुदरत का कहर फिर से किसानों पर टूटा। बेमौसम की बरसात से करीब 70 गांवों की एक हजार बीघा फसलें बारिश व ओलों से बर्बाद हो गई। किसानों का कहना है कि जिम्मेदार नुकसान देखने तो आ रहे हैं, लेकिन कब सरकारी सर्वे होगा, कब और कितना मुआवजा मिलेगा। इन सवालों का जवाब किसी के पास नहीं है। यमुना पट्टी के 25 से अधिक गांवों में ओले गिरने से गेहूं, सरसों आदि की फसलें खराब हो गईं। एसडीएम ने ओलों से प्रभावित गांवों का जल्द सर्वे कराने की बात कही है। क्षेत्र ग्राम काजी टोला चौहान, डेरा कबीरपुर, औगासी, जलालपुर, व्योटरा, बदौली, मझीवा, वधैला, समगरा, सिरियाताला, कलाना, करहुली, पिंडारन, भभुवा, अघाव, कलाना, सांडा, इगुवा सहित कई गांवों में ओलों व बारिश से गेहूं, चना, लाही, मसूर, अलसी की फसलें खेतों पर बिछी नजर आ रही हैं। सबसे ज्यादा नुकसान लाही एवं मसूर की फसलों को हुआ है। किसानों के मुताबिक करीब 50 फीसदी फसलों को नुकसान हुआ है। जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल ने ओला प्रभावित गांवों में जाकर फसलों के नुकसान को देखा और अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि जल्द सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा दिलाया जाए।

आवासों के निर्माण में सुस्ती पर कमिश्नर नाराज

बांदा, संवाददाता। कमिश्नर बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में मंडलीय विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं के समय स्कूलों के आसपास के क्षेत्रों में बिजली कटौती न की जाए। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना में प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारियों महोबा एवं बांदा को आवास निर्माण कार्यों में तेज गति से प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जल–जीवन मिशन के अंतर्गत खोदी गई सड़कों को हर हाल में इस माह बनवाने की बात कही। शौचालयों के निर्माण चित्रकूट में प्रगति लाने के साथ जीओ टैगिंग का कार्य शत् प्रतिशत रूप से पूर्ण कराए जाने की बात भी कही। उन्होंने सेतुओं के निर्माण कार्य एवं सड़क मरम्मत के कार्यों की समीक्षा करते हुए चित्रकूट में सड़क मरम्मत का कार्य तेज गति से गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए। हमीरपुर में बालिका शिशु सहायता योजना के कार्य को पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी ग्राम सचिवालयों में लेखपाल एवं सचिव का नाम व मोबाइल नंबर अंकित कराए जाने की भी बात कही।

मुख्तार की पेशी से पहले धमकी, कड़ी सुरक्षा में पेश हुए सीईओ

बाराबंकी, संवाददाता। फर्जी कागजों से एंबुलेंस पंजीकृत कराने के मामले में माफिया मुख्तार अंसारी व उसके 12 अन्य साथियों को लेकर बुधवार को एसीजेएम विपिन यादव की अदालत में सुनवाई हुई। अदालत में पेश होने से पहले एंबुलेंस कंपनी के सीईओ ने मुख्तार अंसारी के साथी से धमकी मिलने की शिकायत की थी। इसे लेकर बुधवार को पुलिस बल ने न्यायालय परिसर का चप्पा–चप्पा खंगाला और सीईओ को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में अदालत में पेश किया गया। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई सुनवाई के दौरान मुख्तार अंसारी को बांदा जेल से, जफर उर्फ चंदा को संतकबीरनगर व अफरोज उर्फ चुन्नू को गाजीपुर जेल से पेश किया गया। पंजाब की रोपड़ जेल में बंद रहने के दौरान मुख्तार अंसारी पर बाराबंकी में फर्जी कागजातों से पंजीकृत कराई गई एंबुलेंस के प्रयोग का आरोप है।

साान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।